RAJHIN/2014/55262

sancharjagat.com

खबरों व विज्ञापन
के लिए सम्पर्क करें
संचार जगत
मो.नम्बरः- +917357161599

संचार जगत
दैनिक समाचार पत्र
sancharjagat.com
editorial@sancharjagat.com

'सोच को इतना बड़ा रखो कि असफलता भी एक छोटा कदम लगे। सफलता कोई मंजिल नहीं, यह एक दिशा है। बड़ा सोचो, बड़ा करो।'

वर्षः 13 | अंकः 265 जयपुर, शनिवार, 24 अक्टूबर , 2026 मूल्यः 2.00 रूपए पृष्ठः 8

पीएम मोदी बोले- हमारा राष्ट्र ही हमारी संस्कृति और अस्तित्व का है आधार...

प्रधानमंत्री ने कहा- विभाजक ताकतों के खिलाफ समाज को एकजुट करना जरूरी, हमारा ज्ञान और बोध अमर

नई दिल्ली/संचार जगत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में चिन्मय अमृत महोत्सव ग्लोबल सम्मेलन का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत हमारी संस्कृति की जन्मस्थली और हमारे अस्तित्व का आधार है। समाज को बांटने वाली ताकतों के खिलाफ एकजुट होकर नई चुनौतियों और सामाजिक बुराइयों का मुकाबला करना जरूरी है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि नागरिकों को आत्मनिर्भर बनने के लिए जागरूक और प्रेरित करना होगा। साथ ही, प्रत्येक व्यक्ति को 2047 तक विकसित भारत के संकल्प से जोडना होगा। इन उद्देश्यों को पूरा करने के लिए सभी को और अधिक सक्रिय होना पड़ेगा। मोदी ने उपनिषदों के कथन वयं अमृतस्य पुत्राः का उल्लेख करते हुए कहा कि इसका अर्थ है कि हम अमृत की संतान हैं। यह केवल आध्यात्मिक दर्शन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक विश्वास भी है। हमारी चेतना, ज्ञान और बोध अमर हैं। इसी बोध के कारण भारत हजारों वर्षों से अपनी निरंतरता बनाए हुए है। उन्होंने कहा कि आजादी के 75 वर्ष के अवसर पर उनके मन में विकसित भारत को प्रेरणा मंच बनाने और देश के उस स्वरूप को जीवंत करने का विचार आया, जो अमृत विचारों को जीना जानता है।



चिन्मय मिशन केवल संस्था नहीं, एक विचार

प्रधानमंत्री ने कहा कि चिन्मय मिशन केवल एक संस्था नहीं, बल्कि एक विचार है। चिन्मय का अर्थ शुद्ध चेतना है। उन्होंने मिशन के संस्थापक स्वामी चिन्मयानंद की दशकों लंबी यात्रा का उल्लेख किया और युवाओं की भागीदारी की सराहना की। मोदी ने बताया कि चिन्मय अमृत महोत्सव के आयोजन में युवाओं ने महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाईं। युवा स्वयंसेवकों ने लगभग 300 दिनों में 40 हजार किलोमीटर की यात्रा कर एक लाख से अधिक युवाओं से संपर्क स्थापित किया। प्रधानमंत्री ने इस अभियान से जुड़ी पूरी टीम को बधाई और शुभकामनाएं दीं।

33 साल पहले ब्रह्मलीन हुए स्वामी चिन्मयानंद के होलोग्राफिक अवतार से पीएम ने की बात

सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री ने 33 साल पहले ब्रह्मलीन हो चुके स्वामी चिन्मयानंद के होलोग्राफिक अवतार यानी होलोबॉट से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने 1993 में स्वामी जी से हुई मुलाकात को याद किया और अपने संकल्पों को पूरा करने के लिए आशीर्वाद मांगा। मोदी ने कहा, मेरा सौभाग्य था कि मैं आपसे मिला था और आज मैं चाहता हूं कि आप मुझे उन कार्यों के लिए आशीर्वाद दें, जिन्हें मैं पूरा करना चाहता हूं। उन्होंने इस बातचीत को एक अलग तरह का आध्यात्मिक अनुभव बताते हुए इसे संतों का आशीर्वाद बताया।

नेहा बोरा को भरना ही होगा शांति बनाए रखने का बॉन्ड

हाईकोर्ट ने मजिस्ट्रेट को संबंधित सामग्री उपलब्ध कराने के दिए निर्देश

नई दिल्ली/संचार जगत



दिल्ली हाईकोर्ट ने छात्र नेता नेहा बोरा की उस याचिका को शुक्रवार को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने एसईएम अदालत के उस नोटिस को चुनौती दी थी, जिसमें जांच के दौरान शांति बनाए रखने के लिए 10 हजार रुपये का व्यक्तिगत बॉन्ड और एक जमानती देने को कहा गया था। हालांकि, न्यायालय ने मजिस्ट्रेट को कार्यवाही के दौरान बोरा को सभी संबंधित सामग्री उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद ने फैसला सुनाते हुए कहा कि वह इस स्तर पर रिट याचिका खारिज कर रहे हैं। उन्होंने एसईएम को कार्यवाही के दौरान बोरा को सभी प्रासंगिक सामग्री उपलब्ध कराने का निर्देश भी दिया।

जेल के अंदर हों या बाहर, आंदोलन जारी रहेगा: रांका

कॉकरोच जनता पार्टी के नेता आशुतोष रांका ने कहा है कि एसआईआर में कथित अनियमितताओं को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश के इस्तीफे की मांग पर उनका विरोध जारी रहेगा। उन्होंने कहा, जेल के अंदर हों या बाहर, आंदोलन जारी रहेगा। शुक्रवार को रांका, सीजेपी के सह-संयोजक सौरभ दास, राष्ट्रीय संगठन प्रभारी अंजिक्य शिंदे और कानूनी मामलों की प्रमुख रत्न सिंह मंदिर मार्ग पुलिस स्टेशन पहुंचे। उन्हें गुरुवार को दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच के राजौरी गार्डन स्थित कार्यालय में पेश होना था, लेकिन उन्होंने अतिरिक्त समय मांगा था।

एसआईआर के खिलाफ वामपंथी संगठनों का प्रदर्शन, 100 हिरासत में

एसआईआर को रद्द करने और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर शुक्रवार को दिल्ली में प्रदर्शन हुआ। बंगला साहिब गुरुद्वारे के पास से पीपुल अगेंस्ट एसआईआर और छात्र संगठन आइसा के नेतृत्व में प्रदर्शनकारियों ने चुनाव आयोग कार्यालय तक मार्च निकाला। पुलिस ने इस दौरान करीब 100 लोगों को हिरासत में ले लिया। प्रदर्शन में माकपा नेता वृंदा करात, सामाजिक कार्यकर्ता योगेंद्र यादव और भाकपा नेता एनी राजा समेत कई कार्यकर्ता शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने ज्ञानेश के इस्तीफे की मांग करते हुए नारे लगाए और एसआईआर वापस लेने की मांग की। आयोजकों ने कहा कि मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा।

273 कंपनियों की तैनाती 31 तक बढ़ी

राजधानी में संभावित विरोध-प्रदर्शनों के मद्देनजर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) की 273 कंपनियों की तैनाती 31 अक्टूबर तक बढ़ा दी है। सरकारी सूत्रों के मुताबिक, इस महीने की शुरुआत में सीजेपी के प्रदर्शनों के मद्देनजर इन बलों को दिल्ली में तैनात किया गया था। यह दूसरी बार है, जब तैनाती की अवधि बढ़ाई गई है।

भगवंत मान बोले- ज्ञानेश के भाई ने मुझे एयरपोर्ट पर दो घंटे रोका

चंडीगढ़, आरएनएन। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने आरोप लगाया है कि पेरिस दौरे से लौटने पर उन्हें दिल्ली एयरपोर्ट पर दो घंटे से अधिक समय तक रोका गया। उन्होंने दावा किया कि कस्टम प्रमुख मनीष कुमार मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के सगे भाई हैं और उन्हें बदले की भावना से रोका गया। हालांकि, इस दावे और दोनों अधिकारियों के पारिवारिक संबंधों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। मान ने कहा कि पहले उन्हें पेरिस दौरे की अनुमति नहीं दी जा रही थी, लेकिन हाईकोर्ट के हस्तक्षेप के बाद वह वहां जा सके। लौटने पर दिल्ली एयरपोर्ट पर उन्हें रोक लिया गया। मान ने मौजूदा स्थिति के लिए डेमोकेटर शब्द का इस्तेमाल करते हुए कहा कि देश में लोकतांत्रिक तरीके से चुने गए तानाशाहों का दौर आ गया है।

केंद्र का कबूलनामा, कैंसर की दवाओं पर मरीजों से हो रही है मनमानी वसूली

सरकार ने कोर्ट में कहा, ट्रेड मार्जिन पर कैप से कीमत कम होंगी

नई दिल्ली/संचार जगत



कैंसर जैसी गंभीर बीमारी का इलाज कराना पहले ही महंगा है। मरीजों को दवाओं के लिए भी कई गुना ज्यादा पैसे चुकाने पड़ते हैं। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल हलफनामे में माना है कि अस्पताल मरीजों से दवाओं और इलाज में इस्तेमाल होने वाली दूसरी चीजों के लिए बहुत ज्यादा कीमत वसूलते हैं।

सरकार ने इसे गलत बताया है। साथ ही, इस पर रोक लगाने के लिए कदम उठाने की बात कही है। केंद्र सरकार ने कोर्ट को बताया कि मरीजों और अस्पतालों के बीच मोलभाव की स्थिति बराबर नहीं होती। इलाज की जरूरत के चलते मरीज कई बार अस्पताल की ओर से बताई गई कीमत चुकाने को मजबूर होते हैं। सरकार ने गैर-अनुसूचित कैंसर की दवाओं पर ट्रेड मार्जिन को अधिकतम मूल्य (एमआरपी) के 30 प्रतिशत तक सीमित करने का प्रस्ताव दिया है। सरकार का अनुमान है कि इससे दवाओं की कीमतें 20 से 70 प्रतिशत तक घट सकती हैं। इससे मरीजों को हर साल करीब 2,500 करोड़ रुपये की बचत होने का अनुमान है। सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि अस्पतालों में इस्तेमाल होने वाली मेडिकल उपभोग की वस्तुओं की कीमत 1 रुपये से लेकर 350 रुपये या उससे अधिक तक होती है। इन सभी पर एक समान मुनाफे की सीमा तय करना आसान नहीं है। कम कीमत वाली वस्तुओं की बिक्री में भी खर्च होता है। ऐसे में एक समान सीमा तय करने से इस खर्च को पूरा करना मुश्किल हो सकता है।

नियम बनाने के लिए चर्चा जारी

केंद्र सरकार ने कोर्ट को बताया कि इस समस्या से निपटने के लिए वह सभी संबंधित पक्षों से बातचीत कर रही है। सरकार उचित नियम बनाने की तैयारी में भी है। गैर-अनुसूचित कैंसर की दवाओं पर ट्रेड मार्जिन सीमित करने का प्रस्ताव इसी दिशा में एक कदम है। हालांकि, अभी यह प्रस्ताव है। इसे लागू करने के बाद ही पता चलेगा कि दवाओं की कीमतों में कितनी कमी आती है और मरीजों को कितनी राहत मिलती है।

टाइगर श्रॉफ फायरिंग केस

28 तक पुलिस कस्टडी में भेजे गए तीनों आरोपी

फायरिंग में और कौन-कौन लोग शामिल, पूछताछ में होगा खुलासा

नई दिल्ली/संचार जगत



मुंबई में अभिनेता टाइगर श्रॉफ से जुड़े फायरिंग मामले में हरियाणा के सोनीपत से गिरफ्तार किए गए तीन आरोपियों को अदालत ने 28 अक्टूबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

तीनों आरोपियों को आज एस्प्लेनेड कोर्ट में पेश किया गया था। पुलिस ने अदालत में उनकी भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए आगे की पूछताछ के लिए कस्टडी की मांग की। सरकारी पक्ष ने मामले में कथित आपराधिक साजिश और दूसरे आरोपियों के साथ कनेक्शन का पता लगाने के लिए विस्तृत जांच की जरूरत बताई. दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने तीनों आरोपियों को 28 अक्टूबर तक पुलिस कस्टडी में भेजने का आदेश दिया। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अंकित, समीर और जतिन पांचाल के रूप में हुई है। जांच अधिकारी ने अदालत को बताया कि अंकित कथित तौर पर रेकी करने के लिए मुंबई आया था।

1 करोड़ से अधिक बोली पाने वाला जियो दुनिया का पहला आईपीओ

जियो ने वारी एनर्जी के वर्ल्ड रिकॉर्ड को तोड़ा

नई दिल्ली/संचार जगत



मुकेश अंबानी के जियो आईपीओ ने विश्व रिकॉर्ड बना दिया है। यह दुनिया का पहला ऐसा आईपीओ बन गया है जिसे एक करोड़ से अधिक बोलियां मिल चुकी हैं। इसकी संख्या और भी बढ़ सकती है।

1 करोड़ एप्लीकेशन पाकर जियो ने वारी एनर्जी के नाम दर्ज 97 लाख बोलियों के वर्ल्ड रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। जियो आईपीओ और वारी एनर्जी के बाद जिन भारतीय आईपीओ को सबसे ज्यादा बोलियां मिली हैं, उनमें बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड और भारत कोकिंग कोल लिमिटेड शामिल है। इन्हें 90-90 लाख आवेदन प्राप्त हुए थे। 23 अक्टूबर को दोपहर 3 बजकर 15 मिनट तक, जियो प्लेटफॉर्म्स के आईपीओ में पेश किए गए 19.75 करोड़ शेयरों के लिए 12.25 गुना बोलियां मिल चुकी हैं।

1377 रुपए हो सकती है जियो शेयरों की लिस्टिंग

लिस्ट होने के पहले कंपनी का शेयर ग्रे मार्केट में 23 प्रतिशत यानी 258 प्रति शेयर के प्रीमियम पर पहुंच गया है। ग्रे मार्केट प्रीमियम यानी जीएमपी के हिसाब से देखें तो अपर प्राइस बैंड 1,119 के लिहाज से इसकी लिस्टिंग 1377 पर हो सकती है। जियो इस आईपीओ के जरिए कुल 30,213 करोड़ जुटा रही है। हालांकि, इश्यू खुलने से ठीक पहले कंपनी ने एंकर इन्वेस्टर्स को शेयर जारी करके 8,110 करोड़ का फंड जुटा लिया था। एंकर कोटा हटने के बाद प्राइमरी मार्केट में आम जनता और संस्थागत खरीदारों के लिए करीब 22,103 करोड़ का नेट इश्यू ही रखा गया है।

घरेलू गैस की कमी से सीएनजी के दाम बढ़े

नई दिल्ली, आरएनएन। शहरी गैस वितरण कंपनी अडानी टोटल गैस लिमिटेड ने वाहनों में इस्तेमाल होने वाली संपीड़ित प्राकृतिक गैस (सीएनजी) की कीमतों में 4.45 रुपये प्रति किलोग्राम तक की बढ़ोतरी की है।

अडानी टोटल गैस ने 4.45 रुपये प्रति किलो तक बढ़ाए

कंपनी ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की कीमतों में तेजी, घरेलू गैस की उपलब्धता में कमी और आपूर्ति में कटौती को इस फैसले की प्रमुख वजह बताया है। कंपनी की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, अहमदाबाद में सीएनजी की कीमत बढ़कर 98.47 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। वहीं, हरियाणा के फरीदाबाद में इसका भाव 102.60 रुपये और पंजाब के जालंधर में 100 रुपये प्रति किलोग्राम पहुंच गया है।

फिल्म 'रामायण' की एडवांस बुकिंग आठ करोड़ के पार

नई दिल्ली, आरएनएन। नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही फिल्म रामायणः राइज ऑफ अ लेजेंड रिलीज से पहले ही बॉक्स ऑफिस पर चर्चा बटोर रही है। रणबीर कपूर, साई पल्लवी, यश और सनी देओल जैसे सितारों से सजी इस माइथोलॉजिकल फिल्म की एडवांस बुकिंग में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। ट्रेड ट्रैकर सैक्निल्क के मुताबिक 23 अक्टूबर तक फिल्म ने ब्लॉक सीटों को शामिल करते हुए 8.27 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया था, जबकि ब्लॉक सीटों को हटाने के बाद यह आंकड़ा 6.25 करोड़ रुपये रहा। फिल्म के लिए अब तक 3,964 शो में 1.47 लाख से ज्यादा टिकट बिक चुके हैं। फिल्म का ग्रॉस कलेक्शन 52 फीसदी बढ़कर 8.27 करोड़ रुपये पहुंच गया, जबकि ब्लॉक सीटों को हटाकर कमाई में 73 फीसदी का उछाल आया।

नया खतरा चीन से संचालित हो रहे हैं रैनसमवेयर संगठन, एआई की मदद से कर रहे हैं दुनियाभर में हमले

साइबर खतरे के मामले में भारत दुनिया में सातवें नंबर पर

नई दिल्ली/संचार जगत



माइक्रोसॉफ्ट में एआई और साइबर सुरक्षा नीति के निदेशक निकोलस बट्स ने शुक्रवार को विशेष रूप से भारत के लिए हाल के तीन खतरों का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि साइबर सुरक्षा के मामले में भारत दुनिया का सातवां और एशिया का तीसरा सबसे ज्यादा निशाना बनने वाला देश है।

दिल्ली में वर्ल्ड समिट 2026 में बोलते हुए, बट्स ने कहा, हमें हर दिन लगभग 165 ट्रिलियन टेलीमेट्री सिग्नल मिलते हैं, जिन्हें हम प्रोसेस करते हैं। हम हर दिन लगभग 5 अरब ईमेल की जांच करते हैं। हम हर दिन लगभग 50 लाख (5 मिलियन) नई मैलवेयर फाइलों को ब्लॉक करते हैं। इस तरह के मामलों को देखने का हमारा नजरिया काफी अलग और खास है। बट्स ने टपकती छत का उदाहरण देते हुए कहा, हम जो देख रहे हैं, वह 10 साल बाद आने वाली किसी संभावित तबाही के बारे में नहीं है, बल्कि आज मौजूद रियल सुरक्षा खतरों के बारे में है। उन्होंने जोर देकर कहा, भारत के लिए यह खतरा बिल्कुल रियल है। चीन, उत्तर कोरिया या पाकिस्तान जैसे स्टेट एक्टर्स (सरकारी या राज्य-समर्थित तत्वों) के बारे में पूछे जाने पर, बट्स ने हाल के कुछ खतरों का जिक्र किया। उन्होंने बताया, हमने स्टॉर्म 3168 (जिसे कभी-कभी जेडपफर भी कहा जाता है) नाम के एक खतरे का पता लगाया है। यह चीन से संचालित होने वाला एक रैनसमवेयर संगठन है, जो दुनिया भर में ग्राहकों के खिलाफ रैनसमवेयर हमले करने के लिए मुख्य रूप से एआई एजेंटों का इस्तेमाल करता है। दूसरे उदाहरण के तौर पर, उन्होंने रूस और चीन द्वारा समर्थित ऐसे समूहों का जिक्र किया, जो अपनी जासूसी मुहिम के लिए एजेंटों का इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने बताया, 22 अक्टूबर को माइक्रोसॉफ्ट ने एक नए स्टेट एक्टर (सरकारी समर्थन वाले समूह) के बारे में एक नई थ्रेट इंटेलिजेंस रिपोर्ट जारी की है। हम इसे स्टॉर्म 0940 के नाम से ट्रैक करते हैं। यह चीन समर्थित एक ऐसा समूह है, जो मुख्य रूप से डेटा चोरी और जासूसी करने के मकसद से काम करता है।

एआई की मदद से साइबर अपराधी हुए अधिक सक्षम

तीसरे खतरे के बारे में निकोलस बट्स ने कहा कि एआई की मदद से साइबर अपराधी कहीं अधिक सक्षम हो गए हैं। फरवरी में, ईविलटोकन्स नाम का एक नया समूह सामने आया, जिसे हमने ट्रैक करना शुरू किया। असल में, इसमें दो लोग शामिल थे, जो ओपन-सोर्स और क्लोज्ड-सोर्स मॉडल का इस्तेमाल करके कोड तैयार कर लेते थे। यह पूरी तरह से एक स्वतंत्र आपराधिक इंफ्रास्ट्रक्चर था, जो 1,500 डॉलर में इसका एक्सेस बेचता था। पहली बार खरीदने वालों के लिए 500 डॉलर प्रति महीने का सब्सक्रिप्शन था। इसके जरिए आपको कई ऐसे टूल मिल जाते थे, जिनका इस्तेमाल आप बड़े साइबर हमलों के लिए कर सकते थे। इसने 120 देशों के 10,000 से ज्यादा संगठनों को प्रभावित किया।

आरटीआई में खुलासा

दो चुनाव आयुक्तों की शिकायतों की अनदेखी

नई दिल्ली/संचार जगत

कैबिनेट सचिवालय ने शिकायतें चुनाव आयोग की ओर से आधिकारिक नहीं मानीं

सूचना के अधिकार के जवाब में सामने आए दस्तावेजों से पता चलता है कि कैबिनेट सचिवालय ने चुनाव आयोग के एक अधिकारी के आचरण के खिलाफ दो चुनाव आयुक्तों द्वारा भेजी गई शिकायतों पर कोई कार्रवाई नहीं की। सचिवालय ने कहा कि ये शिकायतें उनकी व्यक्तिगत हैसियत से भेजी गई थीं, और चूंकि पूरे चुनाव आयोग की ओर से कोई आधिकारिक सूचना नहीं मिली थी, इसलिए इस स्तर पर कोई भी कार्रवाई करना अनुचित हो सकता है। आरटीआई एक्टिविस्ट कमोडोर लोकेश के. बत्रा (रिटायर्ड) को मिले पत्रों से पता चलता है कि चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने 29 जुलाई को देश के टॉप ब्यूरोक्रेट टीवी सोमनाथन को दो अलग-अलग पत्र भेजे थे। ये पत्र सीनियर डिप्टी इलेक्शन कमिश्नर मनीष गर्ग के कामकाज के बारे में थे।

मुख्य सचिव वी.निवास ने ली छठे राष्ट्रीय मुख्य सचिव सम्मेलन की तैयारियों की समीक्षा

राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट रूप में प्रदर्शित हो राजस्थान का विकास मॉडल: मुख्य सचिव

संचार जगत

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में राजस्थान इंस्टीट्यूट फॉर ट्रांसफॉर्मेशन एंड इनोवेशन(रीति) के तत्वावधान में 26 से 28 दिसंबर तक आयोजित होने वाले छठे राष्ट्रीय मुख्य सचिव सम्मेलन (एनसीसीएस) की तैयारियों की समीक्षा बैठक शुक्रवार को शासन सचिवालय में आयोजित हुई।

मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि सम्मेलन के लिए तैयार किए जाने वाले प्रस्तुतिकरण और दस्तावेजों में 'विकसित राजस्थान @2047' के विजन, राज्य की प्रमुख कल्याणकारी योजनाओं तथा बेस्ट प्रैक्टिसेज को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाए।

उन्होंने कहा कि सभी सूचनाएं और आंकड़े समय-समय पर अद्यतन भी रखे जाएं।

त्वरित सूचना-प्रेषण के लिए व्हाट्सएप ग्रुप

श्रीनिवास ने कहा कि तैयारियों और आपसी समन्वय को बेहतर बनाने के लिए एक पृथक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया जाए, जिससे सभी आवश्यक सूचनाओं का त्वरित आदान-प्रदान सुनिश्चित हो सके।



फीडबैक नोट्स को समय पर करें अपलोड

मुख्य सचिव ने कहा कि सभी संबंधित विभाग अपने फीडबैक और स्टेट-स्पेसिफिक नोट्स तय समय-सीमा में पोर्टल पर अपलोड करना सुनिश्चित करें।

पीएसएआरए पोर्टल पर निजी सुरक्षा एजेन्सी के गार्ड/सुपरवाईजर का विवरण अपलोड करना अनिवार्य

समस्त निजी सुरक्षा एजेंसियों को वांछित कार्यवाही किये जाने हेतु दिशा-निर्देश

संचार जगत

जयपुर। राज्य में संचालित निजी सुरक्षा एजेन्सियों में कार्यरत गार्ड/सुपरवाईजरों के पुलिस सत्यापन, प्रशिक्षण एवं अन्य व्यक्तिगत विवरण के प्रभावी परिवीक्षण लिए पीएसएआरए पोर्टल पर विवरण अद्यतन करने के केन्द्रीय गृह मंत्रालय के निर्देशों की संख्ती से पालना के निर्देश दिए गए हैं। होम गार्ड के उप समादेष्टा चाणक्य जायसवाल ने बताया कि निजी सुरक्षा एजेंसियों में कार्यरत गार्ड/सुपरवाईजरनों का विरण अद्यतन किये जाने हेतु मैनपावर मॉड्यूल प्रारम्भ किया गया है। इसके परिप्रेक्ष्य में गृह रक्षा विभाग ने राज्य में संचालित समस्त निजी सुरक्षा एजेंसियों को वांछित कार्यवाही किये जाने हेतु दिशा-निर्देश दिए हैं।

1 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक पात्र नागरिक जुड़वा सकते हैं मतदाता सूची में अपना नाम



संचार जगत

जयपुर। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची में नाम जुड़वाने हेतु पात्र 18-19 आयु वर्ग के युवाओं सहित अन्य छुटे हुए पात्र नागरिकों के लिए 1 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2026 तक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जिला निर्वाचन अधिकारी संदेश नायक ने उक्त अभियान को गति प्रदान करने के उद्देश्य से सभी विधानसभा क्षेत्रों के ईआरओ के साथ शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक की। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि आयोग के निर्देशानुसार 18-19 आयु वर्ग के युवाओं सहित अन्य छुटे हुए नागरिकों को मताधिकार प्रदान करने के उद्देश्य से फार्म 6 भरवाकर उनके नाम मतदाता सूची में जोड़ने का काम जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा निरंतर किया जा रहा है। उन्होंने सभी ईआरओ को निर्देशित किया है कि वे उनके क्षेत्र के उच्च माध्यमिक विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में क्लस्टर कैंप आयोजित कर बीएलओ के माध्यम से अधिक से अधिक संख्या में मतदाता सूची हेतु पात्र 18-19 आयु वर्ग के युवाओं को ऑफलाइन एवं https\Ñ//voters.eci.gov.in/ के माध्यम से ऑनलाइन फार्म अनिवार्य रूप से भरवाएँ।

प्रदेश के चयनित 32 जिलों में 22 नवम्बर को आयोजित होगा उप राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान

5 वर्ष तक के 92.83 लाख बच्चों को पिलाई जाएगी पोलियो की खुराक

संचार जगत



जयपुर। राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम के तहत स्टेट टास्क फोर्स की बैठक शुक्रवार को स्वास्थ्य भवन में मिशन निदेशक एनएचएम डॉ. जोगाराम की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में आगामी 22 नवम्बर को प्रदेश के चयनित 32 जिलों में आयोजित होने वाले उप राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान की तैयारियों की समीक्षा की गई। मिशन निदेशक ने अभियान की सफलता के लिए सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ समय रहते आवश्यक तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए। डॉ. जोगाराम ने कहा कि अभियान को सफल बनाने के लिए प्रत्येक स्तर पर समन्वय स्थापित करते हुए अभी से तैयारियां शुरू की जाएं। उन्होंने बताया कि चयनित 32 जिलों में 5 वर्ष तक की आयु के 92 लाख 83 हजार बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने अभियान में तैनात किए जाने वाले कार्मिकों का समय पर प्रशिक्षण सुनिश्चित करने तथा जिलों में आवश्यक तैयारियों और प्रबंधन के लिए गठित समितियों की बैठकें आयोजित कर व्यापक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। अभियान प्रदेश के अजमेर, अलवर, बांसवाड़ा, बाड़मेर, भरतपुर, भीलवाड़ा, बीकानेर, बूंदी, चित्तौड़गढ़, चूरू, दौसा, धौलपुर, डूंगरपुर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, जयपुर, जैसलमेर, जालौर, झालावाड़, झुंझुनूं, जोधपुर, कोटा, कोटपुतली-बहरोड़, नागौर, पाली, राजसमंद, सवाईमाधोपुर, सलूम्बर, सीकर, सिरोही, टोंक एवं उदयपुर में आयोजित किया जाएगा। बैठक में निदेशक आरसीएच डॉ. मधु रतेश्वर, परियोजना निदेशक टीकाकरण डॉ. रघुराज सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

एचपीवी टीकाकरण की प्रगति की समीक्षा

बैठक में मिशन निदेशक ने एचपीवी टीकाकरण कार्यक्रम की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने 75 प्रतिशत से कम प्रगति वाले जिलों में विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए। इसके लिए स्कूलों और कॉलेजों में आवश्यक जानकारी सत्र आयोजित कर लक्षित लाभार्थियों को टीकाकरण के लिए प्रेरित करने को कहा। उन्होंने पंचायती राज विभाग एवं शिक्षा विभाग के स्थानीय अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर लक्षित वर्ग तक पहुंच सुनिश्चित करने और टीकाकरण से लाभान्वित करने के निर्देश दिए।



चारू मीणा एपीआरओ से बनीं पीआरओ, जयपुर कलेक्ट्रेट में संभाला कार्यभार

संचार जगत

जयपुर। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, राजस्थान द्वारा जारी पदोन्नति आदेश के तहत चारू मीणा को सहायक जनसंपर्क अधिकारी (एपीआरओ) से जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ), के पद पर पदोन्नत किया गया है।

उल्लेखनीय है कि चारू मीणा वर्तमान में सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय, जयपुर में सहायक जनसंपर्क अधिकारी के पद पर कार्यरत थीं। विभागीय आदेश की अनुपालना में उन्होंने उपनिदेशक हेमंत सिंह को जनसंपर्क अधिकारी पद का कार्यग्रहण प्रतिवेदन प्रस्तुत कर जनसंपर्क अधिकारी का पदभार ग्रहण किया।

चारू मीणा की पदोन्नति पर सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय, जयपुर के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं इस दौरान मानसिंह मीणा (उपनिदेशक), राजेश भीमवाल,रतन लाल सैनी,जितेन्द्र कसाना, आशिमा सोनी ,हितेश महरिया , अनिल सैनी, दिनेश सैनी, विशाल उपस्थित रहे।

सीएनडी उप निदेशक ब्रजेश सामरिया ने चारू मीणा को फोन पर बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की।

स्पीकर देवनानी ने शदाणी दरबार के माता साहिब हासी देवी की 200वीं जयंती पर डाक टिकट का किया अनावरण

संचार जगत



जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने रायपुर (छत्तीसगढ) स्थित पूज्य शदाणी दरबार में आयोजित कार्यक्रम में शदाणी दरबार की पांचवीं पीठाधीश माता साहिब हासी देवी की 200वीं जयंती के अवसर पर डाक टिकट जारी किया। देवनानी ने कहा कि माता साहिब हासी देवी की 200वीं जयंती पर डाक टिकट जारी करना उनके आध्यात्मिक योगदान एवं सेवा परंपरा के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने का महत्वपूर्ण अवसर है।

संत-महापुरुषों का जीवन समाज को सेवा, सद्भाव, संस्कार और मानवता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। शदाणी दरबार की समृद्ध धार्मिक एवं आध्यात्मिक परंपरा भारतीय संस्कृति और सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह डाक टिकट माता साहिब हासी देवी के जीवन एवं योगदान को स्मरण करने के साथ ही उनकी प्रेरणाओं को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम बनेगा।

देवनानी ने माता साहिब हासी देवी के जीवन, आध्यात्मिक योगदान एवं शदाणी दरबार की धार्मिक परंपराओं के महत्व को स्मरण करते हुए कहा कि डाक टिकट का विमोचन उनकी स्मृति को संजोने तथा उनके आध्यात्मिक योगदान को जन-जन तक पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। समारोह को इंदौर के सांसद शंकर लालवानी, पूर्व मंत्री निर्मला वाधवानी, सुरेश खत्री ने भी सम्बोधित किया। समारोह में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। आभार मोहन ने ज्ञापित किया।

राष्ट्रपति ने माता साहिब हासी देवी की 200वीं जयंती पर 200 रूपये का स्मारक सिक्का जारी किया, स्पीकर देवनानी समारोह में हुए सम्मिलित - समारोह में भारत के राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने माता साहिब हासी देवी की 200वीं जयंती के उपलक्ष्य में 200 रूपये का स्मारक सिक्का जारी किया। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर स्थित लोक भवन (छत्तीसगढ़ मंडपम) में शदाणी दरबार की पांचवीं पीठाधीश माता साहिब हासी देवी की 200वीं जयंती के अवसर पर आयोजित समारोह में सम्मिलित हुए।

जिला निर्वाचन अधिकारी संदेश नायक ने फागी में चुनाव पूर्व तैयारियों की समीक्षा की

जयपुर। आगामी पंचायती राज संस्थाओं के चुनावों को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला निर्वाचन अधिकारी संदेश नायक की अध्यक्षता में उपखंड फागी में शुक्रवार को चुनाव पूर्व तैयारियों के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी ने उपखंड क्षेत्र में चिह्नित संवेदनशील मतदान बूथों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की तथा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने मतदान केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने, संवेदनशील एवं अति संवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष निगरानी रखने तथा कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक के दौरान पुलिस प्रशासन द्वारा चुनाव के दौरान कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने, संवेदनशील मतदान केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था, पुलिस बल की तैनाती आदि गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण के संबंध में की जा रही तैयारियों की समीक्षा की गई।

नवनियुक्त पशुचिकित्सा अधिकारियों के आमुखीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

संचार जगत

जयपुर। पशुपालन विभाग द्वारा आयोजित नवनियुक्त पशुचिकित्सा अधिकारियों का आमुखीकरण कार्यक्रम शुक्रवार को संपन्न हो गया। कार्यक्रम के दूसरे दिन 'राजस्थान सेवा नियमों के अंतर्गत आचरण नियम एवं अवकाश नियम' विषय पर विशेष सत्र आयोजित किया गया। इस अवसर पर पशुपालन विभाग के निदेशक डॉ. सुरेश चंद मीणा ने सभी नवनियुक्त पशुचिकित्सा अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अपने सेवाकाल में तकनीकी कौशल के साथ-साथ शासकीय नियमों, नवीनतम संशोधनों और विभागीय निर्देशों का कड़ाई से पालन करें। उन्होंने विश्वास जताया कि सभी अधिकारी फील्ड में जाकर उत्कृष्ट कार्य करेंगे और पशुपालकों की सेवा में विभाग का नाम रोशन करेंगे।

कार्यक्रम में तकनीकी एवं चिकित्सकीय कार्यों के साथ-साथ कार्यालयीन प्रशासन, विभागीय योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन और वरिष्ठ व अधीनस्थ कार्मिकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के नियमों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। सत्र के दौरान वक्ताओं ने स्पष्ट किया कि सरकारी सेवा में अधिकारी का आचरण व्यक्तिगत न होकर पूरे विभाग की छवि और जनता के विश्वास से जुड़ा होता है। राजस्थान सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1971 के तहत सभी नवनियुक्त अधिकारियों को पूर्ण सत्यनिष्ठा, कर्तव्य के प्रति समर्पण और पद की गरिमा बनाए रखने के बारे में विस्तार से बताया गया। इसके साथ ही, राजस्थान सेवा नियमों के तहत अवकाश की पात्रता, विभिन्न प्रकार की छुट्टियों और सक्षम प्राधिकारी की पूर्व स्वीकृति से जुड़े कानूनी व व्यावहारिक पहलुओं से अवगत कराया गया।



सत्र के अंत में विषय विशेषज्ञों द्वारा अधिकारियों की शंकाओं का समाधान करने के लिए एक प्रश्नोत्तर सत्र भी रखा गया। निदेशक एवं विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने बहुमूल्य मार्गदर्शन के लिए आमंत्रित विषय विशेषज्ञों का आभार व्यक्त किया।

राज्य में औद्योगिक निवेश की संभावनाओं के अनुरूप पॉलिटेक्निक महाविद्यालयों को सुदृढ़ बनाने पर जोर

राजस्थान को मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने में पॉलिटेक्निक महाविद्यालयों की महत्वपूर्ण भूमिका : मुख्य सचिव

प्रदेश के राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालयों के प्राचार्यों के साथ 'संवाद' कार्यक्रम आयोजित

संचार जगत

जयपुर। राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालयों के सुदृढ़ीकरण एवं तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के संबंध में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में शुक्रवार को शासन सचिवालय में 'संवाद' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के 10 राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय जोधपुर, अजमेर, कोटा, अलवर, भरतपुर, सीकर, बीकानेर, जयपुर, राजकीय महिला पॉलिटेक्निक महाविद्यालय जयपुर एवं कोटा के प्राचार्यों ने अपने-अपने संस्थानों की तकनीकी शाखाओं, आधारभूत सुविधाओं, विद्यार्थियों के प्लेसमेंट, नवाचारों, उत्कृष्ट कार्यप्रणालियों, भविष्य की कार्ययोजना एवं प्रमुख चुनौतियों पर प्रस्तुतीकरण दिया। मुख्य सचिव ने राजस्थान को मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने में पॉलिटेक्निक महाविद्यालयों की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए इन महाविद्यालयों को सुदृढ़ बनाने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बढ़ते औद्योगिक निवेश के साथ तकनीकी शिक्षा एवं कुशल कार्मिकों के रोजगार की व्यापक संभावनाएं हैं। उद्योगों में कुशल तकनीकी कार्मिकों एवं ब्लू-कॉलर वर्कफोर्स की मांग निरंतर बनी रहेगी, ऐसे में पॉलिटेक्निक शिक्षा को उद्योगों की मांग के अनुरूप उन्नत करना होगा। मुख्य सचिव ने कहा कि उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप इन महाविद्यालयों के पाठ्यक्रम को अपडेट करने के साथ ही फैकल्टी के कौशल विकास एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। प्रयोगशालाओं के आधुनिकीकरण के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं। उन्होंने विद्यार्थियों के बेहतर प्लेसमेंट और बेहतर वेतन पैकेज सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि तकनीकी शिक्षा संस्थानों एवं उद्योगों के बीच समन्वय बढ़ाने के लिए नियमित रूप से वर्कशॉप, फील्ड विजिट एवं तकनीकी संवाद आयोजित किए जाएं। संस्थानों में वर्कशॉप, सेमिनार एवं नवीन तकनीकों पर विशेष सत्रों का निरंतर आयोजन होना चाहिए ताकि शैक्षणिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलने के साथ विद्यार्थियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण एवं उद्योगों की कार्यप्रणाली समझने के अवसर मिल सकें। मुख्य सचिव ने पॉलिटेक्निक महाविद्यालयों एवं इंजीनियरिंग कॉलेजों के बीच सहभागिता बढ़ाने पर बल देते हुए कहा कि विभिन्न शैक्षणिक एवं तकनीकी कार्यक्रमों में आपसी सहयोग को प्रोत्साहित किया जाए। उन्होंने प्रदेश में कम से कम पांच सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित करने की दिशा में कार्य करने के निर्देश दिए। इसके लिए सरकारी उपक्रमों (पीएसयू) से समन्वय स्थापित कर उनके सहयोग से सेंटर ऑफ एक्सीलेंस विकसित करने की संभावनाओं पर कार्य किया जाए। अतिरिक्त मुख्य सचिव, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा कुलदीप रांका ने बताया कि प्रदेश में वर्तमान में कुल 68 राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय संचालित हैं। राज्य सरकार द्वारा इन संस्थानों में विद्यार्थियों के प्रवेश की संख्या बढ़ाने तथा इनके संचालन को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।





जननायक भैरोंसिंह शेखावत की जयंती पर व्यक्तित्व और कृतित्व को किया याद

मुख्यमंत्री ने शेखावत की जयंती पर दी श्रद्धांजलि

संचार जगत

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने देश के पूर्व उपराष्ट्रपति और प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री भैरोंसिंह शेखावत की जयंती पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच पर संदेश जारी कर भारतीय राजनीति के इस शिखर पुरुष के लोकतांत्रिक मूल्यों, शुचिता और जनसेवा के प्रति समर्पण को याद किया। भजनलाल शर्मा ने अपने संदेश में लिखा कि सादगी, शुचिता और प्रखर नेतृत्व के प्रतीक शेखावत जी ने अपना संपूर्ण जीवन जनसेवा, गरीब कल्याण और प्रदेश के समग्र विकास को समर्पित कर दिया। लोकतांत्रिक मूल्यों और लोक-कल्याण के प्रति उनका समर्पण हम सभी के लिए सदैव पथ-प्रदर्शक रहेगा। राजस्थान की राजनीति में आधुनिक विकास की नींव रखने वाले नेताओं में शुमार भैरोंसिंह शेखावत ने अपने मुख्यमंत्रित्व काल में अंत्योदय जैसी दूरदर्शी योजनाएं शुरू कर समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक शासन का लाभ पहुंचाने की मिसाल पेश की थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि शेखावत जी का प्रखर नेतृत्व, बेदाग राजनीतिक जीवन और लोक-कल्याणकारी सोच आज भी समूचे राजनीतिक जगत और जनसेवकों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।



जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पूर्व उपराष्ट्रपति भैरोंसिंह शेखावत की जयंती पर, विद्याधर नगर स्थित उनके स्मृति स्थल पर पहुंचकर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। बाद में उन्होंने स्मारक स्थल पर हरि कीर्तन भी सुना। इस मौके पर राज्यपाल बागडे ने कहा कि राजनीति में शुचिता से जुड़े शेखावत गरीबों और वंचित तबके के लिए, निरंतर कार्य करने वाले लोकप्रिय राजनीतिज्ञ थे। उन्होंने शेखावत के आदर्श और सिद्धांतों को अनुकरणीय बताते हुए उनसे प्रेरणा लेने का आह्वान किया।

विधानसभा अध्यक्ष ने शेखावत को पुष्पांजलि अर्पित की

संचार जगत



जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने विधान सभा में पूर्व मुख्यमंत्री भैरोसिंह शेखावत को उनकी जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने शेखावत को श्रद्धांजलि देते हुए कहा है कि राजस्थान के मुख्यमंत्री रहे शेखावत ने प्रदेश और देश की राजनीति में अपनी अद्वितीय पहचान बनाई। उन्होंने कहा कि उनका राजनीतिक जीवन समर्पण, ईमानदारी और जनसेवा की मिसाल रहा। ग्रामीण विकास, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और सुशासन की दिशा में उनके योगदान को सदा स्मरण किया जाएगा। इस मौके पर पूर्व विधायक नरपत सिंह राजवी, शेखावत के परिजन, विधान सभा के प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा, विशिष्ट सहायक के.के. शर्मा, वरिष्ठ उप सचिव नन्द किशोर शर्मा, उप सचिव सुशील शर्मा, अल्का दुआ सहित विधानसभा के अधिकारियों और कर्मचारियों ने शेखावत को पुष्पांजलि दी।

मदन राठौड़ ने रेहान राजीव वाड्रा नाम पर जताई आपत्ति

संचार जगत



जयपुर। सांसद प्रियंका गांधी के बेटे रेहान राजीव वाड्रा की फोटो प्रदर्शनी के विवाद के बीच अब बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने उनके नाम को लेकर आपत्ति जता दी हैं। मदन राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस को विचार करना चाहिए कि वह एक परिवारवाद के नाम पर कितने दिन राजनीति करेगी। उन्होने कहा कि वैसे तो मुझे कहना नहीं चाहिए, फिर आप लोग कहोगे कि विवादित बयान हो गया। लेकिन आजकल रेहान को जो नाम दिया जा रहा है, उसे आप गूगल पर सर्च करोगे तो आएगा रेहान राजीव वाड्रा। राजीव नाम क्यूं, मतलब पापा कहां गए। यानि नाम कहां से कहां लगा रहे हो। क्यूंकि उसी परिवार से राजनीति रोटियां सेकनी हैं। वह नाम साथ नहीं रहेगा तो राजनीति में जनता स्थान नहीं देगी। इसको विवादित कहो, कुछ भी कहो। लेकिन हमारे यहां मां, पिता और दादा का नाम लगाने की परंपरा हैं। मदन राठौड़ ने पीएम मोदी के राहुल गांधी पर दिए बयान का समर्थन करते हुए कहा कि हमारे देश के प्रधानमंत्री ने अपने अनुभव के आधार पर कह है कि श्रीहरिकोटा स्थित हमारे स्पेस सेंटर से एक साल में जितने रॉकेट लॉन्च नहीं होते, उससे ज्यादा बार कांग्रेस अपने नेता को लॉन्च करने की असफल कोशिश कर चुकी है।

उद्योगों और विद्यालयों के बीच समन्वय सुदृढ़ करने के लिए कार्यशाला आयोजित

संचार जगत



जयपुर। बालिकाओं को व्यावसायिक शिक्षा के माध्यम से रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने और उनकी प्रतिभा को उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित करने की दिशा में राजस्थान में महत्वपूर्ण पहल की गई है। इसी उद्देश्य से राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद एवं शी लर्न्स, आईपीई ग्लोबल के संयुक्त तत्वावधान में उद्योग कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें व्यावसायिक शिक्षा को वास्तविक कार्यस्थल के अनुभव, उद्योगों की आवश्यकताओं और भविष्य के रोजगार अवसरों से जोड़ने के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। कार्यशाला में डॉ. रश्मि शर्मा ने बालिकाओं को औद्योगिक अनुभव, प्रशिक्षण और करियर मार्गदर्शन के अवसर उपलब्ध कराने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि व्यावसायिक शिक्षा को अधिक व्यावहारिक, प्रासंगिक और रोजगार के उभरते अवसरों के अनुरूप बनाने के लिए उद्योगों तथा विद्यालयों के बीच प्रभावी समन्वय आवश्यक है। बालिकाओं को औद्योगिक अनुभव, कार्यस्थल आधारित प्रशिक्षण और विशेषज्ञों के मार्गदर्शन से जोड़कर उनके आत्मविश्वास एवं रोजगार क्षमता को बढ़ाया जा सकता है।

बिना सत्यापन चल रहे 79 धर्मकांटे जब्त

संचार जगत



जयपुर। उपभोक्ता मामले विभाग के विधिक मापविज्ञान प्रकोष्ठ ने उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा तथा टोल प्लाजा पर संभावित अनियमितताओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से 21 और 22 अक्टूबर को प्रदेशव्यापी विशेष निरीक्षण अभियान चलाया। अभियान के दौरान राज्य में 380 धर्मकांटों का निरीक्षण किया गया, जिनमें से बिना वैध सत्यापन के संचालित पाए गए 79 धर्मकांटों को जब्त किया गया। अभियान के तहत 10 लाख 95 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया। अभियान के दौरान दौसा जिले के भंडारेज टोल प्लाजा पर बिना वैध सत्यापन के संचालित धर्मकांटे पाए जाने पर विभाग ने 16 धर्मकांटों को जब्त किया। विधिक मापविज्ञान प्रकोष्ठ ने स्पष्ट किया है कि सभी धर्मकांटों एवं तौल उपकरणों का नियमानुसार वैध सत्यापन कराया जाना आवश्यक है। बिना वैध सत्यापन के तौल उपकरणों का उपयोग करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। विभाग द्वारा आगे भी निरीक्षण अभियान जारी रखकर तौल में शुद्धता, पारदर्शिता और उपभोक्ता हितों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी।

अठावले ने राज्यपाल से की मुलाकात



संचार जगत

जयपुर। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास अठावले ने राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से लोकभवन पहुंचकर मुलाकात की। इस दौरान दोनों ने विभिन्न विषयों पर चर्चा की। राज्यपाल बागडे से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी।

शहर के कई इलाकों में हुई फॉगिंग

संचार जगत



जयपुर । जिले में मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम एवं आमजन के स्वास्थ्य की सुरक्षा के उद्देश्य से चिकित्सा विभाग एवं नगर निगम के समन्वय से विभिन्न क्षेत्रों में फॉगिंग कराई गई। सीएमएचओ जयपुर प्रथम डॉ. रवि शेखावत के निर्देशन एवं उप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी , जयपुर प्रथम डॉ. मनु शेखावत के मार्गदर्शन में किशनपोल, हवामहल-आमेर, आदर्श नगर, सिविल लाइंस, विद्याधर नगर, मुरलीपुरा, वैशाली नगर एवं झोटवाड़ा सहित विभिन्न क्षेत्रों में मच्छरों के नियंत्रण के लिए फॉगिंग गतिविधियां संचालित की गईं। इस पहल का उद्देश्य मच्छरों के प्रकोप को नियंत्रित करना तथा डेंगू, मलेरिया सहित अन्य मच्छरजनित बीमारियों के प्रसार की आशंका को कम करना है। डॉ. शेखावत ने लोगों से घरों एवं आसपास पानी जमा न करने, कूलर और पानी की टंकियों की नियमित सफाई करने और मच्छरों से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियां अपनाने की अपील की। इस पहल का उद्देश्य मच्छरों के प्रकोप को नियंत्रित करना तथा डेंगू, मलेरिया सहित अन्य मच्छरजनित बीमारियों के प्रसार की आशंका को कम करना है।

एनसीसीएस की समीक्षा बैठक आयोजित

संचार जगत

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में राजस्थान इंस्टीट्यूट फॉर ट्रांसफॉर्मेशन एंड इनोवेशन के तत्वावधान में 26 से 28 दिसंबर तक आयोजित होने वाले छठे राष्ट्रीय मुख्य सचिव सम्मेलन एनसीसीएस की तैयारियों की समीक्षा बैठक शासन सचिवालय में आयोजित हुई। बैठक में मुख्य सचिव ने सम्मेलन के लिए तैयार किए जाने वाले प्रस्तुतिकरण और दस्तावेजों में विकसित राजस्थान 2047 के विजन, राज्य की प्रमुख कल्याणकारी योजनाओं तथा बेस्ट प्रैक्टिसेज को शामिल करने के निर्देश दिए। आयोजन स्थल पर लगने वाली प्रदर्शनी के लिए राजस्थान रिन्यूएबल एनर्जी कॉर्पोरेशन लिमिटेड को नोडल एजेंसी बनाया गया है।

सरपंच और वार्ड पंच के पदों के लिए वोटिंग आज

बैलेट पेपर से होगा मतदान

संचार जगत



जयपुर। राजस्थान पंचायत चुनाव के पहले चरण में सरपंच और वार्ड पंच के पदों के लिए आज मतदान होगा। यह मतदान 16 जिलों की 3 हजार 314 ग्राम पंचायतों में कराया जाएगा। करीब 85 लाख मतदाताओं के अपने मताधिकार का प्रयोग करने की उम्मीद है। पहले चरण के मतदान के लिए कुल 9 हजार 886 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। वोटिंग खत्म होने के बाद मतगणना शुरू होगी। नतीजे उसी दिन घोषित किए जाने की उम्मीद है। हर मतदाता दो वोट डालेगा, जो एक वोट सरपंच पद के उम्मीदवार के लिए और दूसरा वार्ड पंच पद के उम्मीदवार के लिए होगा। पिछले चुनावों में इन पदों के लिए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों का इस्तेमाल किया गया था, लेकिन इस बार मतदान बैलेट पेपर के जरिए होगा। हालांकि, बैलेट पेपर के इस्तेमाल से मतगणना की प्रक्रिया में ज्यादा समय लगने की संभावना है।

ओम प्रकाश माथुर के शपथ ग्रहण समारोह में जयपुर से पहुंचे लोग

जयपुर। भाजपा के वरिष्ठ राजनेता ओम प्रकाश माथुर के केरलम के राज्यपाल पद ली। उनके शपथ ग्रहण समारोह में जयपुर से बड़ी संख्या में उनके समर्थक, शुभचिंतक और राजनीतिक-सामाजिक हस्तियां तिरुवनंतपुरम पहुंचीं। राजभवन में आयोजित समारोह में उन्होंने नवनियुक्त राज्यपाल को इस संवैधानिक दायित्व के लिए शुभकामनाएं दीं। समारोह में शिरकत करने वालों में जयपुर के पूर्व सांसद रामचरण बोहरा विशेष रूप से शामिल रहे। सभी ने ओम प्रकाश माथुर से मुलाकात कर उन्हें इस पद पर आसीन होने की हार्दिक बधाई दी तथा पुष्पगुच्छ भेंट किए। ओम प्रकाश माथुर का राजस्थान की राजनीति में लंबा और प्रभावी संगठनात्मक अनुभव रहा है। वे प्रदेश भाजपा अध्यक्ष रहने के साथ-साथ कई राज्यों के राष्ट्रीय प्रभारी के रूप में अपनी मजबूत सांगठनिक क्षमता का लोहा मनवा चुके हैं।

तेज रफ्तार कार खाई में गिरी, 4 दोस्तों की मौत



संचार जगत

जयपुर। जयपुर जिले के रायसर में नेशनल हाईवे-148 दौसा-मनोहरपुर पर स्विफ्ट कार टायर फटने से खाई में गिर गई। कार में 6 दोस्त थे, इनमें से 4 की मौके पर ही मौत हो गई। सीओ रामकिशन विश्नोई ने बताया कि एक्सीडेंट शुक्रवार सुबह 6 बजे रायसर थाना क्षेत्र में हुआ है। हादसे में दो युवक घायल हुए हैं। इन्हें निम्स हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया है। सभी युवक आगरा के रहने वाले थे। वे खाटूश्यामजी मंदिर से दर्शन कर लौट रहे थे। पुलिस के अनुसार सभी युवक कार में बुरी तरह फंस गए थे। उन्हें ग्रामीणों की मदद से बाहर निकाला था। कार सवार सभी युवक फोटोग्राफर थे। उनके बारे में ज्यादा जानकारी जुटाई जा रही है। जानकारी के अनुसार कार सवार सभी युवक फोटोग्राफर थे।

त्रिवेंद्र सिंह राजावत ने नामांकन किया दाखिल



संचार जगत

जयपुर। पूर्व सरपंच त्रिवेंद्र सिंह राजावत ने जयपुर की कालवाड़ ग्राम पंचायत से अपना नामांकन दाखिल किया। राजावत इससे पहले भी कालवाड़ ग्राम पंचायत के सरपंच रह चुके हैं। अब एक बार फिर वे चुनावी मैदान में उतरे हैं। वे बड़ी संख्या में अपने समर्थकों के साथ नामांकन पत्र दाखिल पहुंचे। रैली में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। उनके नामांकन दाखिल करने के दौरान लोगों में जबरदस्त उत्साह था। कालवाड़ ग्राम पंचायत में 8 हजार 36 मतदाता हैं।

दादू दयाल महासभा पर कब्जे की साजिश, तीन गिरफ्तार



संचार जगत

जयपुर। जयपुर के श्री दादू दयाल महासभा के फर्जी दस्तावेज तैयार कर उनका इस्तेमाल करने के मामले में तीन आरोपियों को मोती डूंगरी थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया। आरोपियों पर महासभा की बैठक की फर्जी मिनट्स तैयार करने, सदस्यों के फर्जी हस्ताक्षर करवाने और रजिस्ट्रार कार्यालय में दस्तावेज पेश कर प्रमाण पत्र हासिल करने का आरोप है। पुलिस ने मामले में धोखाधड़ी, फर्जी दस्तावेज तैयार करने और आपराधिक षड्यंत्र सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। पुलिस ने तीन आरोपी कुलदीप स्वामी निवासी एएसजीएम नगर रीको कांटा सांगानेर, मुकेश कुमार स्वामी निवासी छोटी जमात वार्ड नम्बर 6 लालसोट और नरेंद्र पंथी निवासी मकान नम्बर 6 नया 1117 राजस्व गांव छत्रबाग इंदौर मध्यप्रदेश को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने 2 दिन पहले तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया था।

आईएचआरएसजेओ की नई राष्ट्रीय टीम गठित

संचार जगत



जयपुर। अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार एवं सामाजिक न्याय संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं संस्थापक डॉ. नीरज सिंह अलवर ने नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी और विभागवार राष्ट्रीय अध्यक्षों की टीम का गठन किया है। संगठन का उद्देश्य मानव अधिकारों की रक्षा, सामाजिक न्याय और पीड़ितों की सहायता के प्रयासों को मजबूत करना है। इसके लिए सात दिवसीय रणनीति भी तैयार की गई है। नई टीम में सुनील खांडल को राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष, चमन कंवर को राष्ट्रीय प्रभारी, ईश्वर जोशी को महासचिव (ऑपरेशन), रजनीश महर्षि को महासचिव (प्रशासन) और राकेश अग्रवाल को राष्ट्रीय सलाहकार बनाया गया है। विभागवार करण सिंह राजावत को मानव अधिकार एवं न्याय, चमन कंवर को महिला विंग, बृजेश पाठक को शिक्षा एवं जागरूकता, रविंद्र गोड़ को जन शिकायत एवं समाधान, श्याम सुंदर पारीक को सामाजिक न्याय एवं जनकल्याण, बजरंग तिवारी को युवा विंग, रानी राजलक्ष्मी को भ्रष्टाचार विरोधी प्रकोष्ठ तथा श्यामा कंवर को मीडिया एवं जनसंपर्क विभाग का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया है। चमन कंवर महिला विंग की राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ राष्ट्रीय प्रभारी और राकेश अग्रवाल राष्ट्रीय सलाहकार के साथ प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी भी निभाएंगे। डॉ. नीरज सिंह अलवर ने सभी पदाधिकारियों से एकजुटता, अनुशासन और सेवा भावना के साथ कार्य करने का आह्वान किया।

स्टेट टास्क फोर्स की बैठक आयोजित



संचार जगत

जयपुर। स्वास्थ्य भवन में राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम के तहत स्टेट टास्क फोर्स की बैठक आयोजित हुई। मिशन निदेशक एनएचएम डॉ. जोगाराम की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में 22 नवम्बर को प्रदेश के चयनित 32 जिलों में आयोजित होने वाले उप राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान की तैयारियों की समीक्षा की गई। डॉ. जोगाराम ने अभियान से जुड़े संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ समय रहते आवश्यक तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि चयनित 32 जिलों में 5 वर्ष तक की आयु के 92 लाख 83 हजार बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने अभियान में तैनात किए जाने वाले कार्मिकों का समय पर प्रशिक्षण सुनिश्चित करने तथा जिलों में आवश्यक तैयारियों और प्रबंधन के लिए गठित समितियों की बैठकें आयोजित कर व्यापक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। बैठक में एचपीवी टीकाकरण कार्यक्रम की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने 75 प्रतिशत से कम प्रगति वाले जिलों में विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए। इसके लिए स्कूलों और कॉलेजों में आवश्यक जानकारी सत्र आयोजित कर लक्षित लाभार्थियों को टीकाकरण के लिए प्रेरित करने को कहा।

पिंक सिटी प्रेस क्लब का स्थापना दिवस

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने पत्रकारों का किया सम्मान





संचार जगत

जयपुर। पिंक सिटी प्रेस क्लब के 35वें स्थापना दिवस के अवसर पर उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने पत्रकारों को सम्मानित किया। इस मौके पर उन्होंने सम्मानित पत्रकारों को बधाई दी और मीडिया की भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हर वर्ग, हर व्यक्ति और हर क्षेत्र के हित में फैसले लेकर प्रदेश के विकास के लिए कार्य कर रही है। सरकार के अच्छे कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं को जनता तक पहुंचाने में मीडिया महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार जनहित में शत-प्रतिशत प्रयास कर रही है और मीडिया द्वारा सरकार के कार्यों को सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ जनता के सामने लाना सराहनीय है। तथ्यात्मक और रियल टाइम समाचारों को आमजन तक पहुंचाने में मीडिया की अहम भूमिका है। उन्होंने कहा कि सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी पहलों और नवाचारों का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार होना चाहिए, ताकि आमजन को इनकी जानकारी मिल सके। इसके लिए मीडिया का सहयोग अपेक्षित है। उन्होंने यह भी कहा कि कई बार मीडिया के माध्यम से महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आती हैं, जिनके आधार पर सरकार संबंधित मामलों की जांच करती है। कार्यक्रम में प्रेस क्लब के संस्थापक प्रवीण चंद्र छाबड़ा का सम्मान किया गया। इस अवसर पर लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड एवं बेस्ट प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया अवार्ड-2026 प्रदान किए गए। समारोह में पूर्व अध्यक्ष एल.एल. शर्मा, प्रेम शर्मा, शिवदयाल मिश्रा, राजेश पारीक, निखिल सिंह , मिथलेश जैमिनि और सुधांशु माथुर सहित कई वरिष्ठ पत्रकारों को पत्रकारिता के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया। कार्यक्रम में सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा, पिंक सिटी प्रेस क्लब के अध्यक्ष मुकेश मीणा, महासचिव राजकुमार शर्मा, क्लब के पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे।

संपादकीय

सियासी समीक्षा का दौर

अगले विधानसभा चुनाव की कुछ शर्तें तय हो रही हैं और यह एक रूटीन सी है कि सत्ता अपना चौथा साल इस लिहाज से जाहिर करे। विपक्ष का कदमताल अपनी संगठन की ताकत का हिसाब दे। हिमाचल में एक हिसाब केंद्र बनाम राज्य की पटरी पर खड़े अवरोधों का भी होगा। कर्मचारियों की शिनाख्त में सरकार के फैसलों का महाकुंभ दिखाई दे, इसलिए वहीं पुरानी गंगा में कुछ पाप धुलेंगे। राजनीति का अपना ढर्रा है और इसलिए मुकाबला यह कि किस पार्टी में अधिक गुट हैं। अनूठे मिलन समारोह और आर्तारिक रार की तहों में फिसलते समीकरण। कुल मिलाकर अब राजनीतिक समीक्षा का यह दौर मुकाबलों की नई फेहरिस्त पैदा करेगा। कांग्रेस और भाजपा के बीच संयोजकों के तहत किलेबंदियां। भाजपा अपने प्रचार के औजार पैने कर रही है, तो कांग्रेस की जमात 'वोट बचाओ, देश बचाओ' के साहसिक कदम उठाती हुई दिखाई देगी। महत्त्वपूर्ण यह नहीं कि सियासी युद्ध किस करवट बैठेंगे, बल्कि यह है कि सत्ता अपना राजनीतिक अनुष्ठान कैसे करती है। सरकार के पास रिपोर्ट कार्ड है, जिसका इस्तेमाल पंचायत, शहर से समूचे प्रदेश तक हो सकता है। नई पंचायतों की गणना के तिलक अगर ठौर बनाने तक सफल हो गए तो यह कवायद याद की जाएगी। नगर निकाय अगर नागरिक सहूलियतों में इजाफा कर पाएंगे, तो सरकार की पदवी संभल जाएगी। ऐसे में सरकार को अपने फैले हुए प्रयासों को समेटना होगा और बजट की लागत से खड़े किए गए स्तंभों को अच्छे से पेंट करना होगा। बेशक सरकार ने कई मॉडल बनाने शुरू किए, जिन्हें अब पूर्ण रूप से पेश करना होगा। गारंटियों के राजनीतिक दौर अब आगामी चुनाव की फतह को प्रदर्शित करने का जरिया बन सकते हैं और सरकार अगर इसे फार्मूला रेस की तरह निभा पाई तो अंतर देखा जाएगा। राजनीति खुद को देखने के साथ-साथ कर्मचारी वर्ग को कितना देख पाती है, यह एक गोल्डन रूल सदा रहा है। हिमाचल के विधानसभा चुनावों से मुख्यमंत्रियों की ताकत ऐसे फैसलों में महसूस होती रही है, जो अति उदार और लोकप्रियता के मानकों पर आधारित होती है। जाहिर है सुखविंदर सुक्खू भी अपनी महिमा के अनुरूप जनता की ऐसी जिज्ञासा को शांत करने का प्रयास कर रहे हैं। अंततः जनता क्या देखना चाहेगी यह तय करना विपक्ष में जिम्मेदारी का एहसास रहा है। बतौर नेता विपक्ष जयराम ठाकुर सरकार के विरोध में अपनी पताका फहराते हुए कहां पहुंचे, इसका अवलोकन ही बता पाएगा कि भाजपा में कौनसा गुट भारी है। कम से कम यह तो दिखाई देता है कि जयराम ठाकुर की मुलाकातें दिल्ली में प्रधानमंत्री के कक्ष में सुकून से होती हैं। एक गणित उन्हें दिल्ली दरबार से तमाम उत्तराधिकार और दायित्व प्रदान करता हुआ दिखाई देता है।

असहमति और अराजकता में अंतर समझना होगा...

आज जब कांग्रेस और विपक्ष के कुछ नेता जानबूझकर विवाद खड़े करने, दुष्प्रचार और झूठे दावों के जरिये अराजकता का माहौल बनाने में जुटे हैं, तो यह साफ दिखाई देता है कि भारत का राजनीतिक विमर्श भी पोस्ट-ट्रुथ की इस प्रवृत्ति से अछूता नहीं। ऐसा नहीं है कि लोकतंत्र में संवैधानिक संस्थाएं आलोचना से परे होती हैं। वैचारिक मतभिन्नता के कारण लोकतंत्र में असहमति और मतभेद स्वाभाविक भी हैं और आवश्यक भी, परंतु इसके साथ ही एक सोशल कांट्रैक्ट भी जुड़ा होता है कि व्यक्तिगत, राजनीतिक या दलगत हितों से ऊपर राष्ट्रीय हितों को रखा जाए।

एक कहावत है कि युद्ध में अक्सर सबसे पहली बलि सत्य की चढ़ती है। अब यही बात धीरे-धीरे राजनीतिक परिदृश्य एवं प्रतिस्पर्धा पर भी लागू होती दिख रही है। इस संदर्भ में पोस्ट-ट्रुथ सार्वजनिक विमर्श का एक बड़ा आयाम बनता जा रहा है। पोस्ट-ट्रुथ उस स्थिति को कहते हैं, जिसमें सत्य और तथ्य की जगह मनगढ़ंत नैरेटिव ले लेते हैं। एक समय पोस्ट-ट्रुथ अकादमिक बहस तक ही सीमित था, पर आज यह आम राजनीति का हिस्सा बनता जा रहा है। भ्रामक सूचनाओं और फर्जी नैरेटिव के जरिये सिर्फ जनमत को ही प्रभावित नहीं किया जा रहा, बल्कि शक और संदेह के बीज बोकर उन संस्थाओं को भी बदनाम किया जा रहा है, जो किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की बुनियाद होती हैं। पोस्ट-ट्रुथ के प्रभाव में कपोल-कल्पित बातों को तब तक दोहराया जाता है, जब तक वे सच जैसी प्रतीत न होने लगें। ऐसी स्थिति में सत्य केवल कमजोर और धुंधला ही नहीं पड़ता, बल्कि धीरे-धीरे झूठ ही सच का रूप लेने लगता है। आज जब कांग्रेस और विपक्ष के कुछ नेता जानबूझकर विवाद खड़े करने, दुष्प्रचार और झूठे दावों के जरिये अराजकता का माहौल बनाने में जुटे हैं, तो यह साफ दिखाई देता है कि भारत का राजनीतिक विमर्श भी पोस्ट-ट्रुथ की इस प्रवृत्ति से अछूता नहीं। ऐसा नहीं है कि लोकतंत्र में संवैधानिक संस्थाएं आलोचना से परे होती हैं। वैचारिक मतभिन्नता के कारण लोकतंत्र में असहमति और मतभेद स्वाभाविक भी हैं और आवश्यक भी, परंतु इसके साथ ही एक सोशल कांट्रैक्ट भी जुड़ा होता है कि व्यक्तिगत, राजनीतिक या दलगत हितों से ऊपर राष्ट्रीय हितों को रखा जाए। आज जब इस अनुबंध पर ही प्रहार किया जा रहा है तब सच्चाई को सामने लाना आवश्यक है। पिछले कुछ समय से विपक्षी दल कभी इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन-ईवीएम में गड़बड़ी तो कभी



मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर को लेकर निर्वाचन आयोग की छवि को धूमिल करने में लगे हैं। वर्ष 2024 में एसोसिएशन फार डेमोक्रेटिक रिफार्म्स बनाम भारतीय चुनाव आयोग मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने ईवीएम से जुड़ी सभी आशंकाओं को विराम देते हुए बैलेट पेपर की व्यवस्था पर लौटने की मांग को खारिज कर दिया था। सर्वोच्च न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया था कि ठोस तथ्यों या आंकड़ों के बिना केवल संदेह के आधार पर चुनावी प्रक्रिया को लेकर बार-बार संदेह जताना निंदनीय और अवांछनीय है। इसके बावजूद आज तक ईवीएम पर संदेह पैदा करने का काम बंद नहीं किया गया है। इस सत्य को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता कि अतीत में अलग-अलग सरकारों के दौरान भी एसआइआर की प्रक्रिया जारी रही। सर्वोच्च न्यायालय ने 2025 के निर्णय में साफ कहा है कि स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनावों की एक बुनियादी शर्त मतदाता सूचियों की शुद्धता है। न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया कि मतदाता सूची की सटीकता, पूर्णता और अखंडता सुनिश्चित करना निर्वाचन आयोग का संवैधानिक दायित्व है, पर पोस्ट-ट्रुथ के इस दौर में इस सामान्य प्रशासनिक प्रक्रिया को भी राजनीतिक विरोध का हथियार बनाकर लोगों के मन में संदेह पैदा करने का काम किया जा रहा है। विपक्ष के इस दुष्प्रचार के तहत न केवल मुख्य चुनाव आयुक्त को निशाना बनाया जा रहा है, बल्कि चुनाव आयोग जैसी विश्वसनीय और निष्पक्ष संवैधानिक संस्था की साख को भी क्षति पहुंचाई जा रही है। यह सब तब किया जा रहा है जब मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति प्रक्रिया में नेता-प्रतिपक्ष भी शामिल होते हैं। याद रहे कि कांग्रेस की सरकारों के समय में मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति मनमाने ढंग से की जाती थी और उसमें किसी की राय तक नहीं ली जाती थी। कांग्रेस द्वारा संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा और स्वतंत्रता का अपमान करने का एक लंबा इतिहास रहा है। जब देश में पहला आम चुनाव भी नहीं हुआ था कि तत्कालीन सरकार ने संविधान संशोधन द्वारा सर्वोच्च न्यायालय के एक फैसले को पलट कर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर पाबंदियां बढ़ा दी थीं। आपातकाल का कलंकित अध्याय और उसमें नागरिकों के निर्ममता से दमन तो कभी भूले नहीं भुलाया जा सकता। कांग्रेस का रवैया एकदम स्पष्ट है कि जब-जब संस्थाएं उसकी मर्जी के अनुसार काम नहीं करेंगी, तब-तब वह उनकी वैधता को ही कठघरे में खड़ा कर देगी। कांग्रेस की पोस्ट-ट्रुथ की राजनीति का शिकार राष्ट्रीय सुरक्षा भी हुई है। 2019 में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने राफेल मामले में सुप्रीम कोर्ट के निर्णय का गलत हवाला दिया था, जिसके लिए उन्हें बिना शर्त माफी भी मांगनी पड़ी थी। राहुल गांधी ने यह भ्रामक दावा भी किया था कि भारत की जमीन पर दूसरे देश ने कब्जा कर लिया है। सर्वोच्च न्यायालय ने इस बात पर उन्हें फटकार लगाते हुए कहा था कि एक सच्चा भारतीय कभी ऐसा नहीं कहेगा। लोकतंत्र में किसी फैसले पर असहमति तो व्यक्त की जा सकती है, लेकिन उस असहमति का आधार झूठ नहीं हो सकता न ही उसका लक्ष्य अराजकता फैलाना हो सकता है। बाबा साहेब डा. भीमराव आंबेडकर की यह सीख इस संदर्भ में और भी प्रासंगिक हो जाती है, जिसमें उन्होंने चेताया था कि असंवैधानिक तरीकों के प्रयोग से पैदा होने वाले खतरे बहुत विध्वंसक हो सकते हैं। विपक्ष के नेताओं को डा. आंबेडकर के ग्रामर आफ अनार्की पर केंद्रित उस ऐतिहासिक भाषण का निश्चित ही संज्ञान लेना चाहिए और लोकतंत्र में असहमति तथा अराजकता के बीच के अंतर को समझना चाहिए। हमारे अनुसार एक जीवंत लोकतंत्र का आधार सिर्फ राजनीतिक समानता नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक न्याय भी है। यही हमारी सरकार के सभी फैसलों का आधार भी है। एक मजबूत एवं परिपक्व लोकतंत्र के लिए यह भी आवश्यक है कि असहमति और चिंताओं को वैध एवं लोकतांत्रिक माध्यमों से व्यक्त किया जाए और उनका समाधान संवाद एवं सौहार्दपूर्ण तरीके से निकाला जाए, न कि अराजकता के जरिये। आज समय की मांग है कि लोकतांत्रिक संस्थाओं के साथ-साथ भारत के उदय को किसी की राजनीतिक हार से पैदा हुई हताशा का बंधक न बनने दिया जाए।

ट्रंप के दोहरे मापदंड पर उठे सवाल



अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा कांग्रेस के एक कानून के तहत रूसी आयात पर लगाया गया प्रतिबंध हटाने का निर्णय भारत के लिए राहत की बात है। यह तेल आयात नीति और उस बहुप्रतीक्षित व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिहाज से महत्त्वपूर्ण है जो मुख्य रूप से इसी मुद्दे और सेक्शन 301 के तहत जांच के कारण रुका हुआ है। लेकिन व्यापक परिप्रेक्ष्य में 60 दिनों की यह छूट ट्रंप सरकार के दोहरे मापदंड को दर्शाती है, रूस के खिलाफ युद्ध में सहयोगी यूक्रेन को अमेरिकी समर्थन को लेकर रणनीतिक अनिश्चितता को बढ़ाती है और आम तौर पर एक सहयोगी के रूप में अमेरिका की विश्वसनीयता पर वैश्विक संदेह पैदा करती है। लिंडसे ओ ग्राहम सैंक्शनिंग रशिया ऐंड ईरान ऐक्ट, 2026 में राष्ट्रपति को भारत और चीन जैसे प्रमुख रूसी तेल खरीदारों पर 100 फीसदी शुल्क लगाने का अधिकार दिया गया, ताकि रूस इन देशों से मिलने वाले धन का इस्तेमाल यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में नहीं कर सके। जब फरवरी 2022 में युद्ध छिड़ा और पश्चिमी देशों ने यूक्रेन के साथ एकजुटता दिखाते हुए रूसी तेल और गैस की खरीद कम कर दी, तो भारत ने अपने पारंपरिक सहयोगी रूस द्वारा दी जा रही भारी छूट का लाभ उठाने का विकल्प चुना। इस कदम की ट्रंप ने कड़ी आलोचना की और अगस्त 2025 में भारतीय आयात पर 25 फीसदी का अतिरिक्त दंडात्मक शुल्क लगाया, जिसे इस वर्ष फरवरी में एक अंतरिम व्यापार ढांचे के बाद हटा लिया गया। पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों के परिणामस्वरूप तेजी से बढ़ती वैश्विक तेल कीमतों का मुकाबला करने के प्रयास में, भारत का रूसी तेल आयात कच्चे तेल आयात के लगभग 2 फीसदी से बढ़कर लगभग आधा हिस्सा तक हो गया। अमेरिका की कड़ी आलोचनाओं के बावजूद, राष्ट्रीय हित से प्रेरित इस दृष्टिकोण की वैधता इस तथ्य से रेखांकित होती है कि युद्ध के बावजूद अमेरिका ने रूस से यूरेनियम का आयात जारी रखा। नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनावों से पहले चुनावी माहौल को ध्यान में रखते हुए और 30 दिन की समयसीमा समाप्त होने से ठीक एक दिन पहले अमेरिका ने नई छूट पर हस्ताक्षर किए। इस घटनाक्रम ने भारत के रूसी तेल आयात पर अमेरिकी आपत्तियों की तार्किक वैधता को और भी कमजोर कर दिया है। ईरान पर अमेरिका-इजरायल के हमलों के बाद होर्मुज स्ट्रेट की नाकाबंदी ने तेल उत्पादों की कीमतों पर दबाव डाला है, और अन्य लोगों की तरह अमेरिकी जनता भी इसकी मार झेल रही है। डीजल की कीमतों में एक साल में 66 से 68 फीसदी की वृद्धि हुई है, जिससे सभी बाजारों में कीमतें बढ़ गई हैं। लिंडसे ग्राहम अधिनियम की धारा 115 के तहत दी गई इस छूट का आधार 9 अक्टूबर को तैयार हुआ, जब अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने 7 अप्रैल, 2027 तक वैश्विक बाजार में रूसी डीजल की बिक्री और आयात की अनुमति देने वाला एक अस्थायी लाइसेंस जारी किया। रूस के साथ हुए समझौते के तहत अमेरिका को तुरंत 3,00,000 टन डीजल मिलेगा, इसके बाद नवंबर में 5,00,000 टन और उसके बाद 10 लाख टन मिलेगा। रूस भी अपनी रिफाइनरियों की स्थिति के आधार पर 30 लाख टन डीजल जारी करेगा । अमेरिका-ईरान के बीच बातचीत रुकी, ब्रेंट 110 डॉलर के करीब पहुंचा; क्या और महंगा होगा कच्चा तेल? यह उल्लेखनीय भू-रणनीतिक बदलाव यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदीमिर जेलेंस्की के साथ ट्रंप के तनाव से भी प्रेरित है, जिन्होंने अमेरिकी प्रशासन पर सैन्य समर्थन और खुफिया जानकारी साझा करने में कटौती करने का आरोप लगाया है। पैट्रियट मिसाइलों की आपूर्ति में देरी और स्टारलिंक उपग्रह सेवाओं की बिगड़ती स्थिति, जिसने ड्रोन के प्रदर्शन और युद्धक्षेत्र संचार को प्रभावित किया है।

हर समस्या का समाधान आंदोलन नहीं...



इंटरनेट मीडिया ऐसी तकनीक पर काम करता है कि वह लोगों के सोच को कहीं अधिक आसानी से दुष्प्रभावित कर देता है। कई बार तो वह विवेक का पूरी तरह हरण कर लेता है। एआइ के आगमन के चलते यह काम और बड़े पैमाने पर किया जाने लगा है। इसी कारण संघ प्रमुख ने यह रेखांकित किया कि नई तकनीक सीखना और उसमें सक्षम बनना आवश्यक है, लेकिन इसी के साथ नैतिकता का भी ध्यान रखा जाना चाहिए।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने विजयादशमी पर अपने वार्षिक उत्सव पर जो कुछ कहा, उस पर सभी को ध्यान देना चाहिए। चाहे वे इस संगठन की रीति-नीति से असहमत लोग ही क्यों न हों। उनकी यह चेतावनी समयानुकूल है कि भारत में बांग्लादेश और फ्रांस जैसे हालात बनाने की जो कोशिश हो रही है, उसके पीछे कुछ ऐसी शक्तियां हैं, जो देश को कमजोर कर अपने संकीर्ण स्वार्थ सिद्ध करना चाहती हैं। इनमें विदेश की भी कुछ शक्तियां हैं, जो असंतोष को हवा देकर देश में अराजकता फैलाने के लिए सक्रिय हैं। इन शक्तियों में जहां कुछ ऐसे संगठन हैं, जिन्हें भारत की प्रगति रास नहीं आ रही है तो कुछ ऐसे भी, जिन्हें भारत का वर्तमान शासन अपने हितों के अनुकूल नहीं लग रहा है। ऐसी शक्तियों का सबसे बड़ा हथियार हैं सोशल मीडिया कहे जाने वाले डिजिटल प्लेटफार्म। इंटरनेट मीडिया ऐसी तकनीक पर काम करता है कि वह लोगों के सोच को कहीं अधिक आसानी से दुष्प्रभावित कर देता है। कई बार तो वह विवेक का पूरी तरह हरण कर लेता है। एआइ के आगमन के चलते यह काम और बड़े पैमाने पर किया जाने लगा है। इसी कारण संघ प्रमुख ने यह रेखांकित किया कि नई तकनीक सीखना और उसमें सक्षम बनना आवश्यक है, लेकिन इसी के साथ नैतिकता का भी ध्यान रखा जाना चाहिए। आज इसकी अनदेखी नहीं हो सकती कि इंटरनेट मीडिया के जरिये भारत में सामाजिक विभाजन की खाई को चौड़ा करने का ही काम नहीं किया जा रहा है, बल्कि नितांत झूठे और भ्रामक नैरेटिव से लोगों को बरगलाया-उकसाया भी जा रहा है। इसके लिए कई बार लोगों की कुछ जायज चिंताओं की शातिर तरीके से आड़ ली जाती है और फिर संबंधित आंदोलन को खतरनाक उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किया जाने लगता है। चिंताजनक यह है कि जन समर्थन पाने के लोभ में राजनीतिक दल भी ऐसे आंदोलनों का साथ देने के लिए आगे आ जाते हैं। देश में इन दिनों यही देखने को मिल रहा है। भारत के प्रति अपने समर्पण को व्यक्त करते हुए संघ प्रमुख ने एक और महत्वपूर्ण बात यह कही कि देश और समाज को चलाने की जिम्मेदारी केवल नेताओं की नहीं, बल्कि आम नागरिकों की भी है। वे इस जिम्मेदारी का निर्वाह अनुशासन भाव का परिचय देकर और नियम-कानूनों के पालन के प्रति प्रतिबद्ध रहकर ही कर सकते हैं। वास्तव में देश के समग्र विकास की यही कुंजी है। यह समझा ही जाना चाहिए कि हर समस्या का समाधान आंदोलन नहीं हैं और ऐसे आंदोलन तो कतई नहीं, जो लोगों को विभाजित करने का काम करते हैं। किसी भी राष्ट्र की प्रगति और खुशहाली के लिए यह आवश्यक है कि मतभेदों और असहमतियों के बाद भी राष्ट्रीय एकता और सामाजिक सद्भाव को बनाए रखने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

आर्थिक प्रगति और संवैधानिक अधिकारों के बीच संतुलन जरुरी

लोकतंत्र में प्रत्येक व्यक्ति को असहमति जताने और सरकार से जवाब मांगने का अधिकार है। पिछले कुछ अर्से से यदि सीजेपी और कुछ विपक्षी दलों को लगता है कि मात्र कुछ हजार लोगों के सहारे अराजकता फैला कर हर बात पर सरकार को झुकने के लिए मजबूर किया जा सकता है तो यह शायद उनकी अपरिपक्वता ही है। सीजेपी नेताओं और विपक्षी दलों को यह क्यों नही समझ आ रहा कि सड़कों पर अराजकता फैलाने से आम आदमी कितना प्रभावित हो रहा है? व्यवसाय बंद होने से रोज कमाकर खाने वालों की जीविका कितनी प्रभावित हो रही है? दिल्ली के व्यापारिक संगठनों की मानें तो राष्ट्रीय राजधानी में हालिया प्रदर्शनों और प्रतिबंधों के कारण लगभग दो हजार करोड़ रुपये का नुकसान हो चुका है। कन्फेडरेशन ऑफ इंडिया ट्रेडर्स ने इन धरना-प्रदर्शनों के चलते दिल्ली में प्रतिदिन लगभग 400 करोड़ रुपये के कारोबार के नुकसान का अनुमान व्यक्त किया। ऐसे में यह प्रश्न महत्वपूर्ण हो जाता है कि क्या कोई ऐसी व्यवस्था नहीं बनाई जा सकती, जिसमें नागरिकों की आवाज भी सुनी जाए और देश की आर्थिक गतिविधियां भी प्रभावित न हों। मुख्य सड़कों पर अराजकता या अव्यवस्था की आशंका भरे आंदोलन से न सिर्फ बाजार की बिक्री प्रभावित होती है, बल्कि इसका असर दुकानों में काम करने वाले कर्मचारियों, सामान पहुंचाने वाले वाहन चालकों, छोटे थोक व्यापारियों, पैकिंग करने वाले श्रमिकों, रेहड़ी-पटरी वाले और आसपास चाय आदि की दुकान चलाने वाले भी प्रभावित होते हैं। बड़े कारोबारी तो कुछ समय तक नुकसान सह सकते हैं, लेकिन रोज की कमाई पर निर्भर परिवार के लिए एक दिन का काम छूटना भी भोजन, किराया, बच्चों की पढ़ाई और दवाइयों के खर्च को प्रभावित करता है। बड़े त्योहारों और शादी-विवाह के समय में यह समस्या



और गंभीर हो जाती है। त्योहारों से पहले खुदरा व्यापारियों को उम्मीद रहती है कि कपड़े, जूते, इलेक्ट्रानिक्स, उपहार, मिठाइयों और घरेलू सामान की बिक्री बढ़ेगी। व्यापारी पहले से माल खरीदते हैं, कर्मचारियों की व्यवस्था करते हैं और किराया तथा अन्य खर्च वहन करते हैं। सड़कों पर अव्यवस्था या फिर अराजकता के कारण यदि ग्राहक बाजार तक नहीं पहुंच पाते तो बाजार एवं आर्थिकी पर गहरा प्रभाव पड़ता है। ऐसे आंदोलन आर्थिक विकास, निवेश, उत्पादन और रोजगार के लिए भी मुश्किलें उत्पन्न करते हैं। 2021 में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा प्रकाशित शोधपत्र सामाजिक अशांति के व्यापक आर्थिक प्रभाव में 1990 से 2019 तक के विभिन्न देशों के आंकड़ों के आधार पर बताया गया था कि सामाजिक अशांति का अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। अशांति बढ़ने के छह तिमाहियों बाद भी जीडीपी का स्तर औसतन 0.2 प्रतिशत नीचे रह सकता है, जबकि अशांति की बड़ी घटनाओं के बाद यह अंतर लगभग एक प्रतिशत तक पहुंच सकता है। इसका प्रमुख कारण विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों में गिरावट, उपभोग में कमी तथा निवेशकों के विश्वास में कमजोरी है। शोध में यह भी पाया गया कि कई आंदोलनों का आर्थिक प्रभाव राजनीतिक या चुनाव संबंधी आंदोलनों से अधिक हो सकता है। निरंतर अराजकता और अव्यवस्था देश की अंतरराष्ट्रीय छवि को भी प्रभावित करती है। आज जब विश्व की अनेक एजेंसियों ने भारत का जीडीपी अनुमान बढ़ा दिया है, तब संकीर्ण स्वार्थों की पूर्ति के लिए ऐसा कुछ नहीं किया जाना चाहिए, जो आर्थिक माहौल को नकारात्मक बनाए। नेताओं को यह समझना होगा कि अराजकता पैदा करने वाले आंदोलन लोगों का ध्यान आकर्षित करने का आसान रास्ता तो हो सकता है, पर लोकतंत्र मे सत्ता परिवर्तन केवल चुनावी जनमत, स्पष्ट नीतिगत विकल्पों और जन-विश्वास से ही संभव है। भारत में सड़कों पर अव्यवस्था सत्ता परिवर्तन का साधन नहीं बन सकती। आज देश का आम नागरिक अपनी आजीविका और बेहतर भविष्य को लेकर अधिक सजग है। यदि किसी कारण देश की अर्थव्यवस्था या रोजमर्रा का कारोबार बाधित होता है, तो आम जनता को यह अहसास होने लगता है कि आर्थिक अस्थिरता से देश और उनका खुद का नुकसान हो रहा है। इससे वे सत्ता परिवर्तन के बजाय शांति और स्थिरता के पक्ष में खड़े हो जाते हैं। आज का युवा और जेन-जी मतदाता अधिक जागरूक है। वह भावनात्मक नारों से अधिक अपने आर्थिक भविष्य के आधार पर राजनीतिक निर्णय लेता है। आम तौर पर आंदोलनकारी इसे भांप नहीं पाते कि आज लोग आर्थिक व्यवधान पैदा करने वाले किसी माध्यम को सकारात्मक बदलाव का जरिया नहीं मानते। आर्थिक दृष्टि से आदर्श लोकतंत्र वह है, जहां विरोध की आवाज भी सुनी जाए और अर्थव्यवस्था की गति भी बाधित न हो। जहां सरकार की जिम्मेदारी है कि वह असंतोष के कारणों को समझे और संवाद के माध्यम से समाधान निकाले, वहीं आंदोलनकारियों की भी जिम्मेदारी है कि वे अपने लोकतांत्रिक अधिकारों का उपयोग करते समय आम लोगों की आजीविका और सार्वजनिक हितों का भी ध्यान रखें।

दिल्ली-एनसीआर में ठंड के साथ बढ़ रहा प्रदूषण का स्तर



संचार जगत

नई दिल्ली । दिल्ली-एनसीआर में इन दिनों बदलते मौसम के बीच प्रदूषण का स्तर भी बढ़ता जा रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार, आने वाले दिनों में मौसम में बार-बार बदलाव देखने को मिलेगा। एक ओर जहां तापमान में उतार-चढ़ाव जारी रहेगा, वहीं दूसरी ओर हवा की गुणवत्ता लगातार खराब होती जा रही है। दिल्ली के कई इलाकों में हवा की गुणवत्ता खराब से बहुत खराब श्रेणी में है। ग्रेटर नोएडा की हवा सबसे ज्यादा जहरीली हो गई है। नॉलेज पार्क- III में एक्यूआई 337 और नॉलेज पार्क- ङ्क में एक्यूआई 376 तक पहुंच गया है, जो कि बहुत खराब से गंभीर श्रेणी में आता है। वहीं, गाजियाबाद की स्थिति भी चिंताजनक बनी हुई है। गोविंदपुरम, इंदिरापुरम, संजय नगर और वसुंधरा में एक्यूआई लेवल लाल श्रेणी में हैं। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि तापमान में अचानक आ रही यह गिरावट और हवा की रफ्तार में कमी प्रदूषण को और अधिक बढ़ाने का काम कर रही है।

सिविल सोसायटी फोरम ने सोनम वांगचुक पर बातचीत के एजेंडे को हथियाने का आरोप लगाया

संचार जगत



लेह। लद्दाख के सिविल सोसायटी फोरम ने सोनम वांगचुक पर आरोप लगाया है कि उन्होंने केंद्र के साथ चल रही बातचीत में जमीन, नौकरी और सांस्कृतिक सुरक्षा के मूल एजेंडे को हाईजैक कर लिया है। साथ ही, उन्होंने दावा किया है कि लेह एपेक्स बॉडी और कारगिल डेमोक्रेटिक एलायंस अब सभी जिलों की आवाज का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं। फोरम की बैठक लेह में हुई, जिसमें केंद्रीय गृह मंत्रालय, एलएबी और केडीए के बीच बातचीत में हो रही देरी पर गहरी चिंता जताई गई। फोरम ने आरोप लगाया कि लद्दाख की जमीन, नौकरियों और संस्कृति की सुरक्षा के मूल एजेंडे से भटकाव हुआ है। साथ ही, बातचीत के दौरान कुछ सदस्यों के टकराव वाले रवैये की भी आलोचना की गई। हाल ही में हुई इस बैठक में पूर्व सांसद थुपस्तान छेवांग, पूर्व मुख्य कार्यकारी पार्षद रिग्जेन स्पालबर और पूर्व एमएलसी त्सेरिंग साम्पेल शामिल हुए। छेवांग ने आरोप लगाया कि एलएबी और केडीए के नेताओं ने विकल्पों की ठीक से जांच किए बिना ही एमएचए के मसौदा प्रस्ताव को खारिज कर दिया। उन्होंने पिछली बैठकों के नतीजों को भी गलत तरीके से पेश किया, जिससे जनता के बीच भ्रम पैदा हुआ। उन्होंने 22 अक्टूबर को नई दिल्ली में होने वाली एमएचए की बैठक न हो पाने के लिए बार-बार हो रही देरी, गलत जानकारी फैलाने और पहले बनी सहमति की अनदेखी को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने चिंता जताई कि इसका लेह, और खासकर वहां के बौद्ध समुदाय पर बुरा असर पड़ सकता है। फोरम ने कहा कि बातचीत की प्रक्रिया को देरी की चालों और टकराव की राजनीति का बंधक नहीं बनने देना चाहिए। फोरम ने सभी जिलों में जल्द से जल्द पंचायत और लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद के चुनाव कराने की मांग की, साथ ही चुनी गई परिषदों को अधिक शक्तियां देने की बात कही। उन्होंने सभी जिलों से लोकतांत्रिक तरीके से चुने गए प्रतिनिधियों के साथ एलएबी के पुनर्गठन की भी मांग की।

जासूसी के आरोपी को हाईकोर्ट से नहीं मिली जमानत

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने पाकिस्तान उच्चायोग के एक अधिकारी के लिए कथित रूप से जासूसी करने के आरोपी हबीब उर रहमान को नियमित जमानत देने से इनकार कर दिया। जासूसी के आरोपों की गंभीरता को देखते हुए कोर्ट ने अपना फैसला दिया। आरोपी हबीब उर रहमान कई बीमारियों से पीड़ित है। उसे मेडिकल आधार पर पहले जमानत मिल चुकी थी। इसके बाद आरोपी ने अदालत में नियमित जमानत के लिए आवेदन किया। हाईकोर्ट ने हबीब उर रहमान की मेडिकल स्थिति का ध्यान रखते हुए अधिकारियों को जेल में उसे जरूरी मेडिकल जांच, विशेषज्ञ डॉक्टरों की सलाह, फिजियोथेरेपी और उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। हाईकोर्ट ने एम्स की रिपोर्ट का भी जिक्र किया और पाया कि रहमान को जेल में जरूरी मेडिकल इलाज दिया जा सकता है।

मोस्ट-वांटेड माओवादी दंपती मंगल और मालती ने किया आत्मसमर्पण

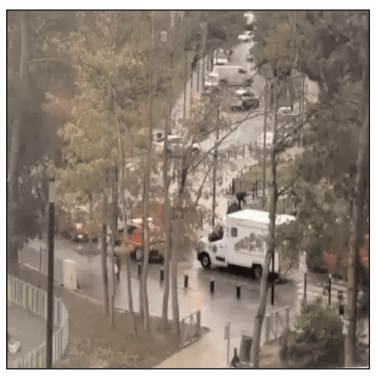
संचार जगत



कोलकाता । पश्चिम बंगाल और पड़ोसी राज्य झारखंड में वांछित माओवादी दंपती मंगल और मालती ने लालबाजार स्थित कोलकाता पुलिस मुख्यालय में पुलिस आयुक्त अजय के. नंद के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। आत्मसमर्पण के दौरान, उन्होंने पुलिस को एक एके-47 और एक इंसास राइफल भी सौंपी। मंगल और मालती दोनों पश्चिम बंगाल के रहने वाले हैं। हालांकि, उनकी माओवादी गतिविधियां मुख्य रूप से झारखंड तक ही सीमित थी और वे कभी-कभार ही पश्चिम बंगाल आते थे। सुरक्षा बलों की सूची में पश्चिम बंगाल के लगभग 13 माओवादी थे, जिन्हें समय-समय पर गिरफ्तार कर लिया गया। हाल ही में झारखंड में तीन माओवादियों को गिरफ्तार किया गया, जबकि एक वांछित माओवादी नेता पुष्पा ने कुछ महीने पहले कोलकाता में आत्मसमर्पण कर दिया था। अब, मंगल और मालती ने भी कोलकाता पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। कोलकाता पुलिस प्रमुख अजय के. नंद ने बताया कि मंगल 2010 के आसपास माओवादी आंदोलन से जुड़ा था और 2011-12 के बाद झारखंड चला गया था। वह दिवंगत माओवादी नेता कोटेश्वर राव का करीबी माना जाता था, जो नवंबर 2011 में एक पुलिस मुठभेड़ में मारा गया था। आत्मसमर्पण के अपने फैसले के बारे में बताते हुए मंगल ने कहा कि उसे एहसास हो गया था कि सशस्त्र संघर्ष से सामाजिक बदलाव नहीं लाया जा सकता। उसने कहा कि हम दोनों ने हिंसा का रास्ता छोड़कर समाज की मुख्यधारा में लौटने का फैसला किया है। इसीलिए हम यहां आए और आत्मसमर्पण कर दिया।

पेरिस में हमलावर ने राह चलते लोगों पर गोलियां चलाई

संचार जगत



पेरिस। फ्रांस के पेरिस के पास शुक्रवार को हुई फायरिंग में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि चार लोग घायल हो गए। मेयर के मुताबिक, हमलावर ने अलग-अलग जगहों पर लोगों पर गोलियां चलाई। फ्रांस में इस साल गोलीबारी का यह 11वां मामला है। पुलिस ने ट्रैप शहर के पास से एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया है। उससे पूछताछ की जा रही है। हालांकि, अभी तक यह पता नहीं चला है कि फायरिंग क्यों की गई और इसके पीछे क्या वजह थी। गोलीबारी के बाद पुलिस अलर्ट पर है। फ्रांस की आतंकवाद से जुड़े मामलों की जांच करने वाली एजेंसी भी मामले पर नजर रख रही है। एसोसिएटेड प्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, गोलीबारी में मारा गया व्यक्ति अफ्रीकी मूल का है। घायलों में एक व्यक्ति की हालत गंभीर है। वह भी अफ्रीकी मूल का है। फ्रांस में यह घटना ऐसे समय हुई है, जब महंगाई और रोजमर्रा की जरूरतों पर बढ़ते खर्च को लेकर लगातार प्रदर्शन हो रहे हैं। पिछले हफ्ते कई शहरों में प्रदर्शन के दौरान हिंसा हुई थी। इसके बाद सरकार ने शनिवार को होने वाले प्रदर्शनों के लिए सुरक्षा बढ़ा दी है।

इंडिगो ने सऊदी अरब के कुछ शहरों के लिए उड़ानें अस्थायी रूप से की रद्द



नई दिल्ली । सऊदी अरब की सुरक्षा की बदलती स्थिति को देखते हुए इंडिगो ने फिलहाल के लिए अपनी सेवाएं बंद करने की घोषणा की है। सऊदी अरब में भारतीय दूतावास ने बताया कि इंडिगो की रियाद के लिए आने-जाने वाली फ्लाइट्स 31 अक्टूबर तक कैंसिल रहेंगी, जबकि जेद्दा, दम्माम और मदीना के लिए आने-जाने वाली फ्लाइट्स 27 तक कैंसिल रहेंगी। इंडिगो ने बताया कि यात्रियों और क्रू सदस्यों की सुरक्षा और भलाई उसकी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। एयरलाइन हालात पर लगातार नजर बनाए हुए है और स्थिति का आकलन करने के लिए संबंधित अधिकारियों के साथ संपर्क में है। एयरलाइन ने खेद जताते हुए कहा कि जिन यात्रियों की फ्लाइट्स प्रभावित हुई हैं, उन्हें बुकिंग के समय दिए गए संपर्क विवरण के माध्यम से जानकारी दी जा रही है। यात्रियों को सलाह दी गई है कि एयरपोर्ट के लिए निकलने से पहले अपनी उड़ान की स्थिति जरूर जांच लें।

उमराह के लिए गए तीर्थयात्री सुरक्षित भारत लौटे

संचार जगत



नई दिल्ली। उमराह के लिए गए जो तीर्थयात्री वहां फंस गए थे, वे सुरक्षित भारत लौट आए हैं। इसके अलावा, 10 हजार से अधिक सामान्य उमराह यात्री पहले ही भारत लौट चुके हैं। जो उमराह यात्री अभी भी वहां हैं, उनकी मदद की जा रही है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बताया कि बाकी तीर्थयात्रियों की भी मदद की जा रही है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारतीय नागरिकों की समस्याओं और चिंताओं को दूर करने के लिए सरकार हमेशा तत्पर रहती है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, पिछले एक हफ्ते में लगभग 3 हजार फंसे हुए उमराह यात्री उपलब्ध उड़ानों के जरिए सऊदी अरब से भारत लौट आए हैं। मंत्रालय ने बताया कि 10 हजार से अधिक सामान्य उमराह यात्री भी उपलब्ध उड़ानों के जरिए पिछले एक हफ्ते में भारत लौट आए हैं। बाकी उमराह यात्रियों की जल्द से जल्द वापसी के लिए इंतजाम किए जा रहे हैं। हमारा दूतावास और वाणिज्य दूतावास, सामुदायिक स्वयंसेवकों की मदद से हर संभव सहायता प्रदान कर रहे हैं।

तिब्बत में 7 तीव्रता का भूकंप, 16 मौतें, 65 घायल

संचार जगत



तिब्बत। तिब्बत में गुरुवार रात 7 तीव्रता का भूकंप आया। इसमें 16 लोगों की मौत हो गई, जबकि 65 लोग घायल हुए हैं। भूकंप के बाद 12 हजार से ज्यादा लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया। राहत और बचाव का काम जारी है। भूकंप का केंद्र तिब्बत के नागक्यू शहर के बाछेन काउंटी में था। यह जमीन से 10 किलोमीटर से भी कम गहराई पर आया। यह जगह तिब्बत की राजधानी ल्हासा से करीब 400 किलोमीटर दूर है। भूकंप से 330 से ज्यादा घर ढह गए या उन्हें नुकसान पहुंचा है। अधिकारी नुकसान का आकलन कर रहे हैं। वहीं, पाकिस्तान में 4.9 और अफगानिस्तान में 4.1 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप के झटके महसूस होने पर लोग अपने घरों को छोड़कर भागे। तिब्बत दुनिया के उन इलाकों में शामिल है, जहां भूकंप आने का खतरा ज्यादा रहता है। यहां भारतीय और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेटें आपस में टकराती हैं। इनकी हलचल से हिमालय पर्वत बना है, लेकिन इसी वजह से इलाके में भूकंप भी आते रहते हैं। जनवरी 2025 में तिब्बत के तिंगरी काउंटी में 7.1 तीव्रता का भूकंप आया था। इसमें तिब्बत में करीब 400 लोगों की मौत हुई थी, जबकि पड़ोसी नेपाल में 13 लोगों की जान गई थी। इसके झटके उत्तर भारत समेत दक्षिण एशिया के कई हिस्सों में महसूस किए गए थे। इससे पहले 2010 में पड़ोसी चीनी प्रांत छिंगहाई के युशू में 7.1 तीव्रता का भूकंप आया था। इसमें कम से कम 2 हजार 698 लोगों की मौत हुई थी और करीब 300 लोग लापता हो गए थे।

रामायण के संदेश को जन-जन तक पहुंचाएगी यूपी सरकार

संचार जगत



लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार 26 अक्टूबर को पूरे प्रदेश में धूमधाम से वाल्मीकि जयंती मनाएगी। इस अवसर पर आस्था, भक्ति और भारतीय सांस्कृतिक विरासत का व्यापक उत्सव मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश के सभी 75 जनपदों में सैकड़ों महर्षि वाल्मीकि मंदिरों और रामायण से जुड़े प्रमुख स्थलों पर दीपदान, रामायण पाठ, भजन और भक्तिमय सांस्कृतिक कार्यक्रम किए जाएंगे। इन आयोजनों के जरिए आदि कवि महर्षि वाल्मीकि की कालजयी रचना रामायण में निहित मानवीय संवेदनाओं, सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने की तैयारी है। महर्षि वाल्मीकि की तपोस्थली चित्रकूट में वृहद कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। सरकार के निर्देशानुसार सभी देव मंदिरों, महर्षि वाल्मीकि से संबंधित स्थलों आदि पर दीप प्रज्ज्वलन, दीपदान के साथ-साथ रामायण पाठ कराए जाएंगे। यह कार्यक्रम जनपद, तहसील और विकास खंड स्तर पर होंगे। सीएम योगी ने हर आयोजन स्थल पर साफ-सफाई, पेयजल, ध्वनि, प्रकाश और सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था का निर्देश दिया है। आयोजन में पूजन-हवन के साथ लवकुश प्रसंग समेत अन्य कार्यक्रम भी होंगे। इसके अलावा तुलसीदास आश्रम राजापुर चित्रकूट, वाल्मीकि आश्रम बिठूर कानपुर, वाल्मीकि आश्रम श्रावस्ती, अयोध्या, प्रयागराज समेत पूरे प्रदेश में आयोजन होगा।

ट्रंप ने माना चुकानी पड़ सकती है, राजनीतिक कीमत

संचार जगत



वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया कि ईरान के खिलाफ आगे भी सैन्य कार्रवाई संभव है, हालांकि उन्होंने यह भी माना कि इस युद्ध का असर आगामी कांग्रेस चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी को राजनीतिक नुकसान के रूप में झेलना पड़ सकता है। इस संघर्ष का चुनावी अभियान पर पड़ने वाले असर पर ट्रंप ने कहा कि इस मुद्दे पर अमेरिकी जनता की राय बंटी हुई है। युद्ध का असर आने वाले कांग्रेस चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी को राजनीतिक रूप से झेलना पड़ सकता है, लेकिन उन्हें परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना जरूरी था। ट्रंप ने पत्रकारों से कहा कि इसके लिए एक राजनीतिक कीमत चुकानी पड़ सकती है और मुझे यह बात तभी समझ आ गई थी जब मैंने यह फैसला लिया। लेकिन हम ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने दे सकते। हालांकि ट्रंप ने यह स्पष्ट नहीं किया कि क्या वह किसी नए सैन्य अभियान पर विचार कर रहे हैं, संभावित टारगेट कौन हो सकते हैं या ऐसा कदम कब उठाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि ईरान युद्ध में हमने उन्हें काफी बड़ा नुकसान पहुंचाया है और हो सकता है कि हम आगे भी कुछ और करें। इस बीच, न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने चेतावनी दी कि बढ़ते संघर्षों का असर अब उन देशों से कहीं आगे तक पहुंच रहा है जहां लड़ाई चल रही है। गुटेरेस ने कहा कि ऊर्जा बाजार, समुद्री व्यापार मार्ग, आपूर्ति श्रृंखलाएं और वित्तीय व्यवस्थाएं ऐसे माध्यम बन गए हैं जिनके जरिए युद्ध का असर दुनिया भर के आम लोगों तक पहुंच रहा है। गुटेरेस ने संघर्ष रोकने, आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और कूटनीतिक प्रयासों को मौका देने की अपील की।

पुंछ के सलानी इलाके में आतंकवादियों के दो ठिकाने नष्ट, गोला-बारूद बरामद

संचार जगत



पुंछ । जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में चल रहे आतंकवाद-रोधी अभियानों के बीच, भारतीय सेना ने मेंढर सब-डिवीजन के सलानी इलाके में एक सर्च ऑपरेशन के दौरान संदिग्ध विस्फोटक उपकरण और अन्य सामग्री बरामद की है। 156 टेरिटोरियल आर्मी से मिली पुख्ता सूचना के आधार पर, 6 सेक्टर राष्ट्रीय राइफल्स के तहत स्थानीय राष्ट्रीय राइफल्स ने सलानी के कसबालारी गांव के आसपास के इलाके में एक सर्च ऑपरेशन चलाया। इस ऑपरेशन के दौरान, सेना को कई संदिग्ध चीजें मिलीं। इनमें भूरे टेप से लिपटे हुए छह कंटेनर और नीले टेप से लिपटा हुआ एक कंटेनर शामिल हैं, जिनके आईईडी होने का संदेह है। इसके अलावा, एक काला बैग, एक कॉम्बैट पाउच, लोहे का एक काला डिब्बा और 7.62 एमएम लाइट मशीन गन की एक मैगजीन भी बरामद हुई है। साथ ही, इलाके से एक एल्युमिनियम कंटेनर, दो पावर एडेप्टर, एक पावर सोर्स और एक टिफिन भी मिले हैं। यह बरामदगी ऐसे समय में हुई है, जब सीमावर्ती जिले पुंछ में आतंकवादी गतिविधियों को रोकने के लिए सुरक्षा अभियान चल रहे हैं। 22 अक्टूबर को जम्मू-कश्मीर के हंदवाड़ा उप-मंडल की पुलिस ने आतंकी पोस्टर मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया था। पुलिस ने एक अन्य आपराधिक मामले में तीन आरोपियों की संपत्तियां जब्त की थीं।

अमेरिकी मेडिकल लैब पर साइबर अटैक

न्यू जर्सी। अमेरिका की बड़ी मेडिकल जांच कंपनियों में शामिल क्वेस्ट डायग्नोस्टिक्स पर साइबर हमला हुआ है। इस हमले में हैकरों ने मरीजों की मेडिकल रिपोर्ट और उनकी निजी जानकारी तक पहुंच बना ली। अभी तक क्वेस्ट डायग्नोस्टिक्स ने यह नहीं बताया है कि साइबर हमले से कितने मरीज प्रभावित हुए हैं। कंपनी के मुताबिक, कितने मरीजों की जानकारी तक पहुंच बनाई गई और कौन-कौन से रिकॉर्ड प्रभावित हुए, इसकी जांच जारी है। कंपनी ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। साइबर सुरक्षा पर नजर रखने वाली कंपनी कंपैरीटेक के मुताबिक, सितंबर 2026 तक दुनियाभर में स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े संस्थानों पर साइबर हमलों के 716 मामले सामने आए। इनमें से 410 हमले अकेले अमेरिका में हुए।

लाल सागर में नौका हमले की घटना में सभी 14 भारतीय नागरिक सुरक्षित



संचार जगत

नई दिल्ली । सऊदी अरब के लाल सागर के दक्षिणी हिस्से में हमले की शिकार हुई एक नौका में सवार 14 भारतीय नागरिकों को सुरक्षित बचा लिया गया है। यमन में भारतीय दूतावास ने बताया कि सभी 14 भारतीय नागरिक सुरक्षित हैं और यमन में होदेदाह के आसपास मौजूद हैं। हम उनकी सलामती सुनिश्चित करने के लिए लगातार काम करते रहेंगे। यमन के हूती विद्रोहियों ने गुरुवार को दावा किया कि सऊदी अरब ने लाल सागर के दक्षिणी हिस्से में जुकर द्वीप के पास 14 भारतीय नागरिकों को ले जा रही एक नौका को निशाना बनाया। यह घटना सऊदी अरब में दम्माम स्थित किंग फहद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बुधवार रात हुए हमले के एक दिन बाद सामने आया है। भारतीय दूतावास ने बताया कि इस हमले में मारे गए दो लोगों में एक भारतीय नागरिक भी शामिल था, जबकि दो अन्य भारतीय नागरिक घायल हुए हैं।

चंद्रमा की 16 कलाओं के साथ कृष्ण भगवान रचाएंगे महारास

संचार जगत



आश्विन महीने की पूर्णिमा तिथि को शरद पूर्णिमा मनाई जाती है। हिंदू धर्म में पूर्णिमा का विशेष महत्व माना जाता है। इसे कोजागरी पूर्णिमा, रास पूर्णिमा, कौमुदी व्रत या कुमार पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, शरद पूर्णिमा की रात को चंद्रमा अपनी 16 कलाओं से युक्त होकर चमकता है। मान्यता है कि इस रात को चंद्रमा की किरणों से अमृत निकलता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, शरद पूर्णिमा की रात भगवान श्रीकृष्ण ने वृंदावन में गोपियों के साथ महारास रचाया था, जिसे भक्ति और प्रेम का प्रतीक भी माना जाता है। मान्यता यह भी है कि शरद पूर्णिमा की रात को माता लक्ष्मी पृथ्वी पर विचरण करती हैं और देखती हैं कि कौन जाग रहा है। जो भी रात में जागते हैं और मां लक्ष्मी की पूजा करते हैं, उन पर माता की विशेष कृपा बरसती है। रात को जागने की वजह से इसे कोजागरी व्रत भी कहते हैं। शरद पूर्णिमा की रात को कुछ परंपराएं निभाई जाती हैं। मान्यता है कि शरद पूर्णिमा के अवसर पर गाय के दूध और चावल से बनी खीर को रात में खुले आसमान में रखा जाता है। ऐसा इसलिए किया जाता है, क्योंकि चंद्रमा की किरणें खीर पर पड़ सकें। अगले दिन सुबह इसे प्रसाद के रूप में ग्रहण किया जाता है। शरद पूर्णिमा के अवसर पर माता लक्ष्मी की स्वर्णमयी मूर्ति की पूजा की जाती है। घी के दीपक जलाकर पूरी रात जागकर मंत्रों का जप किया जाता है। इस रात को भक्त माता लक्ष्मी और भगवान श्रीकृष्ण के मंत्रों का जाप करते हैं। इस अवसर पर सफेद वस्त्र, चावल, चीनी, चांदी के बर्तन और भोजन का दान करना अत्यंत शुभ माना जाता है।

दवाओं की कीमतों को लेकर केंद्र सरकार ने दाखिल किया हलफनामा

संचार जगत



नई दिल्ली। दवाओं की कीमतों को लेकर केन्द्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल किया है। उसने हलफनामे में कहा है कि गैर-अनुसूचित कैंसर की दवाइयों पर ट्रेड मार्जिन को एमआरपी के 30 फीसदी तक सीमित करने का फैसला लिया है। सरकार ने कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली उन दवाइयों की सूची तैयार करने के लिए एक एक्सपर्ट कमेटी गठित की है, जिन पर यह व्यवस्था लागू की जा सकती है। 9 अक्टूबर को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने स्वास्थ्य सेवाओं के महानिदेशक की अध्यक्षता में एक एक्सपर्ट कमेटी गठित की। कमेटी को 10 से 15 दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट देने के लिए कहा गया है। हलफनामे में एक्सपर्ट कमेटी की रिपोर्ट मिलने के बाद राष्ट्रीय औषध मूल्य निर्धारण प्राधिकरण इस मामले पर विचार करेगा और जरूरी निर्देश जारी करेगा। सरकार का कहना है कि इससे गैर जरूरी मुनाफे पर रोक लगेगी। सरकार का अनुमान है कि इस व्यवस्था से संबंधित कैंसर की दवाइयों की एमआरपी में लगभग 20 से 70 फीसदी तक कमी हो सकती है।

भागीरथ चौधरी ने कृषि के आधुनिकीकरण और नवाचार का किया आह्वान



संचार जगत

झज्जर। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने कहा है कि सरकार किसानों के कल्याण के लिए कई योजनाएं चला रही है जिसका उन्हें लाभ मिल रहा है। उन्होंने हरियाणा के झज्जर में आयोजित एग्री लीडरशिप समिट-2026 में किसानों के प्रतिनिधियों से खेती किसानी से जुड़े कई मसलों पर चर्चा की। समारोह में चौधरी ने कृषि वैज्ञानिकों, प्रगतिशील किसानों, कृषि उद्यमियों एवं युवा स्टार्टअप्स से जुड़े प्रतिनिधियों के साथ भारतीय कृषि के भविष्य, आधुनिक तकनीक, नवाचार और किसान कल्याण से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विचार साझा किए। इस दौरान प्रतिनिधियों के साथ संवाद कर नवाचारों, कृषि उद्यमिता और किसानों की आय एवं समृद्धि से संबंधित विषयों पर चर्चा की। इस मौके पर उन्होंने किसान मेले एवं कृषि उपकरणों और उत्पादों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने कृषि क्षेत्र में विकसित हो रही आधुनिक तकनीकों, नवीन कृषि उपकरणों, उत्पादों और खेती को अधिक उत्पादक एवं लाभकारी बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी ली। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसानों की सहभागिता के साथ विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी आकर्षण का केंद्र रहीं।

विक्की अग्रवाल जेसीआई कोटा स्टार के अध्यक्ष निर्वाचित



संचार जगत

कोटा। सामाजिक और जनकल्याणकारी कार्यों में अग्रणी संस्था जेसीआई कोटा स्टार की नई कार्यकारिणी पदाधिकारियों की घोषणा कर दी गई है। संस्था के चुनाव में विक्की अग्रवाल को सर्वसम्मति से नया अध्यक्ष चुना गया है। विक्की अग्रवाल ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्था अपनी सामाजिक प्रतिबद्धता को जारी रखेगी। संस्था मेडिकल चेकअप शिविर, कच्ची बस्तियों के बच्चों को स्टेशनरी वितरण, भीषण गर्मी में प्याऊ लगाने जैसे विभिन्न जनहितकारी कार्य और सामाजिक सरोकार से जुड़ कार्यक्रम प्राथमिकता से आयोजित करेगी।

झपकी आने से अनियंत्रित होकर पलटा लोडिंग टेंपो



संचार जगत

दौसा। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर शुक्रवार सुबह एक अनियंत्रित लोडिंग टेंपो के पलट जाने से उसमें सवार 5 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह सड़क हादसा कोलवा थाना क्षेत्र के अंतर्गत पिलर संख्या 170 के समीप हुआ। दुर्घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलने पर पहुंची एंबुलेंस की सहायता से सभी घायलों को तुरंत दौसा जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों की देखरेख में उनका उपचार जारी है। लोडिंग टेंपो दिल्ली से मेलों में लगाए जाने वाले झूलों का सामान भरकर कोटा जा रहा था।

रिफाइंड सोयाबीन तेल सीज

संचार जगत

दौसा। दिवाली के त्योहार पर लोगों को शुद्ध खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने लालसोट रोड स्थित श्रीगोविन्द गजक भंडार की निर्माण इकाई पर कार्रवाई करते हुए 1348 किलोग्राम रिफाइंड सोयाबीन तेल सीज किया। कलक्टर के निर्देशन में जिले में खाद्य पदार्थों की जांच के लिए विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के तहत खाद्य पदार्थों की निर्माण इकाइयों, प्रोसेसिंग यूनिट, थोक विक्रेताओं एवं वितरक फर्मों का निरीक्षण कर दूध एवं दूध से निर्मित मिठाइयों, मावा, घी, तेल, नमकीन तथा मसालों सहित विभिन्न खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर उनकी जांच की जा रही है। कार्रवाई के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी जगदीश प्रसाद सैनी, मीना सिंगल एवं सुमित्रा जाट भी मौजूद रहे।

बड़े पर्दे पर दिखेगा महाराज अग्रसेन का जीवन



कोटा। महाराजा श्री अग्रसेन के जीवन, आदर्शों, सामाजिक समरसता और लोक कल्याण के संदेश को बड़े पर्दे पर पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल शुरू हो गई है। उनके जीवन पर आधारित फिल्म का निर्माण किया जा रहा है। इसमें अभिनेता मुकेश खन्ना मुख्य भूमिका निभाएंगे। फिल्म निर्माण की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। फिल्म के निर्देशक सनी अग्रवाल, निर्माता पुरुषोत्तम केजरीवाल और आलोक गोयनका का कोटा पहुंचने पर अग्रवाल समाज ने स्वागत एवं सम्मान किया।

खराड़ी बोले-जो खुद को हिंदू नहीं मानते,उनका मुंह काला करो

संचार जगत



उदयपुर। कैबिनेट मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने कहा कि भारत ही एकमात्र ऐसा देश है, जहां हिंदू सुरक्षित रह सकता है। अगर यह देश भी नहीं रहा तो हमें किसी समुद्र में जाकर डूबना होगा या फिर ऊपर जाना पड़ेगा। उन्होंने कहा-'वे खुद को हिंदू नहीं मानते, तो क्या वे हमारी पुरानी परंपराओं को बंद कर देंगे? ऐसे लोग जब भी गांव में आएं तो उनका मुंह काला करके गांव से बाहर निकाल देना। ये नेता तो आएंगे और चले जाएंगे। पार्टियां भी आएंगी और जाएंगी, लेकिन हमारी विरासत, हमारी संस्कृति और हमारे संस्कार हमेशा रहने चाहिए। हमारा सनातन धर्म रहना चाहिए।' खराड़ी ने बिना किसी का नाम लेते हुए राजनीतिक विरोधियों पर हमला बोला। वे पंचायतीराज चुनाव के माहौल के बीच तीन दिन पहले ओगणा में भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। खराड़ी ने कहा कि अभी नवरात्रि गई है। इस दौरान हम सबने देवी माता की पूजा और उपासना की है। लोग सभी देवरो (मंदिरों) में गए होंगे और घर नहीं जाकर वहीं जमीन पर सोए होंगे। यह सब आदिवासी समाज की विरासत है, जो हमारे पूर्वजों ने हमें दी है। हम अपने पूर्वजों और माताजी की पूजा करते हैं, तो क्या ये लोग इसे बंद कर देंगे? आखिर ये लोग चाहते क्या हैं? खराड़ी ने कहा कि दुनिया में भारत ही एकमात्र ऐसा देश है, जहां हिंदू रह सकता है। अगर यह सनातन और देश भी नहीं रहा तो हमारे पास दो ही विकल्प बचेंगे। या तो किसी समुद्र में जाकर डूबना पड़ेगा या फिर ऊपर जाना होगा। खराड़ी ने लोगों से कहा कि यह अब आपको ही सोचना है और आपको ही तय करना है, क्योंकि वे लोग तो ऐसा ही करना चाहते हैं।

राज्यपाल ने आर्ट ऑफ लिविंग में आयोजित समारोह में की शिरकत



संचार जगत

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने बेंगलुरु स्थित आर्ट ऑफ लिविंग की स्थापना के 45 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित समारोह में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने आर्ट ऑफ लिविंग के प्रणेता श्री श्री रविशंकर से संवाद किया और उनके 70 वें जन्मदिन को सुशासन, सामाजिक सामंजस्य, शांति और सतत विकास के आलोक में समारोहपूर्वक मनाए जाने को महत्वपूर्ण बताया। मानवीय मूल्यों, शांति एवं सद्भाव के लिए और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की सनातन संस्कृति के प्रसार में रही उनकी भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति मानवीय मूल्यों पर ही जोर देती है। राज्यपाल बागडे ने इससे पहले आर्ट ऑफ लिविंग इन्टरनेशनल आश्रम में गौशाला का अवलोकन किया और वहां संचालित विभिन्न गतिविधियों की जानकारी ली।

दो कांस्टेबल 2 लाख रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार



संचार जगत

खैरथल। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने खैरथल-तिजारा जिले में बड़ी कार्रवाई करते हुए जिला विशेष टीम में तैनात दो कांस्टेबलों को परिवादी से 2 लाख रुपये की घूस लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान कांस्टेबल ब्रजेश और ईश्वर सिंह के रूप में हुई है। एसीबी टीम ने आरोपियों के कब्जे से रिश्वत की पूरी राशि बरामद कर ली है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक गोविंद गुप्ता ने बताया कि एसीबी की अलवर प्रथम चौकी को परिवादी द्वारा इस संबंध में लिखित शिकायत दी गई थी। मामले के अनुसा परिवादी पर नकली कलाकंद बनाने का आरोप लगाकर माल नष्ट न करने और सीज से बचाने के नाम पर घूस मांगी। आरोपी तैयार माल को नष्ट न करने और फर्मों पर दोबारा छापे न डालने के नाम पर परिवादी और उसके सहयोगियों से लगातार रिश्वत की मांग कर रहे थे। शिकायत का सत्यापन कराए जाने के बाद एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर अलवर प्रथम चौकी की टीम ने ट्रैप का जाल बिछाया। जैसे ही दोनों आरोपी कांस्टेबल ब्रजेश और ईश्वर सिंह ने परिवादी से 2 लाख रुपये की रिश्वत की रकम हासिल की, एसीबी की टीम ने दोनों को रंगे हाथ दबोच लिया। एसीबी के अनुसार, आरोपियों से घूस की रकम बरामद कर ली गई है।

नशा मुक्ति संवाद आयोजित

बहरोड़। श्री धर्मचंद गांधी जैन राजकीय महाविद्यालय में नई किरण नशा मुक्ति केंद्र के तत्वावधान में व्याख्यान एवं संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में युवा पीढ़ी को नशे के गर्त से बचाने और उन्हें इसके शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी दी गई । कार्यक्रम में वक्ताओं ने विद्यार्थियों से संवाद स्थापित करते हुए नशे के प्रचलित प्रकारों और इनसे बचाव के व्यावहारिक उपायों पर प्रकाश डाला।

उदयपुर में वैदिक भोजनशाला रेस्टोरेंट में आग लगी

संचार जगत



उदयपुर। उदयपुर शहर में न्यू आरटीओ ऑफिस स्थित वैदिक भोजनशाला रेस्टोरेंट में शुक्रवार को आग लग गई। आग लगने से रेस्टोरेंट में रखा फर्नीचर सहित अन्य कीमती सामान जल गया। लोगों ने तुरंत आग बुझाने का प्रयास किया लेकिन आग की लपटें इतनी तेज थी कि कुछ ही देर में पूरे रेस्टोरेंट में फैल गई। उठते हुए धुएं के गुबार को देखकर आसपास लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर फायर ब्रिगेड की टीम को बुलाया गया। टीम मौके पर पहुंची और करीब आधे घंटे की मशक्कत बाद काबू पाया जा सका। प्रतापनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। हादसे के वक्त स्टाफ रेस्टोरेंट में मौजूद था। स्टाफ ने तुरंत बाहर की तरफ भागकर अपनी जान बचाई। फिलहाल आग लगने के वास्तविक कारणों का पता नहीं लग पाया है।

अजमेर में स्क्रैप गोदाम में आग लगी

संचार जगत



अजमेर। अजमेर शहर के नाका मदार स्थित ज्ञानोदय नगर में शुक्रवार दोपहर मोटर पार्ट्स और लोहे के स्क्रैप के गोदाम में आग लग गई। गोदाम में रबड़ के पुराने टायर रखे हुए थे। आग लगने की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की 3 गाड़ियां पहुंची। दमकलकर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना की सूचना के अलवर गेट थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची। गनीमत रही कि आग आसपास के अन्य रिहायशी और व्यावसायिक परिसरों तक नहीं पहुंची। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। गोदाम संचालक के अनुसार आग से कुछ पुराने टायर ही जले हैं और कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ है। आग लगने के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा रहा है। अग्निशमन कर्मचारी मुकेश ने बताया कि फायर कंट्रोल रूम को नाका मदार क्षेत्र में स्क्रैप गोदाम में आग लगने की सूचना मिली थी। इसके बाद दमकल विभाग ने तत्काल 3 गाड़ियों को मौके पर रवाना किया। दमकलकर्मियों ने पहुंचकर आग बुझाने का काम शुरू किया। पानी की बौछार कर आग को फैलने से रोका गया। समय रहते आग पर काबू पा लेने से आसपास के परिसरों तक लपटें पहुंचने का खतरा टल गया।

सीएस ने तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के दिए निर्देश

जयपुर। राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालयों के सुदृढ़ीकरण एवं तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के संबंध में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में सचिवालय में संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के 10 राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय के प्राचार्यों ने अपने-अपने संस्थानों की तकनीकी शाखाओं, आधारभूत सुविधाओं, विद्यार्थियों के प्लेसमेंट, नवाचारों, उत्कृष्ट कार्यप्रणालियों, भविष्य की कार्ययोजना एवं प्रमुख चुनौतियों पर प्रस्तुतीकरण दिया। मुख्य सचिव ने राजस्थान को मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने में पॉलिटेक्निक महाविद्यालयों की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए इन महाविद्यालयों को सुदृढ़ बनाने के लिए दिशा निर्देश दिए।

राष्ट्रीय दशहरा मेला में मनमोहक नृत्यों ने बांधा समां



संचार जगत

कोटा। राष्ट्रीय मेला दशहरा में किसान रंगमंच पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कलाकारों ने गणेश वंदना से कार्यक्रम शुरु किया। इसके बाद एक से बढ़कर एक रंगारंग और लोक नृत्यों की प्रस्तुतियां दी गईं। कार्यक्रम में संध्या ने नृत्य से दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। वहीं मुस्कान ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों समां बांध दिया। दर्शकों ने कलाकारों के हर कदम और ताल का करतल ध्वनि से स्वागत किया।

अस्थमा एक्यूपंक्चर शिविर कल

संचार जगत

कोटा। रोटरी क्लब कोटा कल क्लब भवन में अस्थमा से पीड़ित मरीजों के लिए निशुल्क एक्यूपंक्चर शिविर का आयोजन करेगा। क्लब अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह खींची और सचिव मुकेश चौधरी ने बताया कि शिविर में अस्थमा पीड़ित मरीजों को निशुल्क परामर्श प्रदान किया जाएगा। शिविर में अनीश गुप्ता मरीजों को एक्यूपंक्चर की आधुनिक तकनीकों के माध्यम से उपचार सेवाएं प्रदान करेंगे। शिविर में मरीजों को अस्थमा के प्रबंधन, सांस संबंधी समस्याओं और उपचार के दौरान आवश्यक सावधानियों के बारे में भी जानकारी दी जाएगी।

निष्क्रिय सहकारी समितियों को सक्रिय कर खाद-बीज उपलब्ध कराने की मांग

संचार जगत



टोंक। भारतीय किसान संघ के प्रतिनिधिमंडल ने जयपुर सचिवालय में सहकारिता विभाग के शासन सचिव और सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार डॉ. समित शर्मा से मुलाकात की और उन्हें अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपा। इसमें जिले की निष्क्रिय ग्राम सेवा सहकारी समितियों को फिर से सक्रिय करने और किसानों को गांव के नजदीक खाद-बीज उपलब्ध कराने की मांग की गई। ज्ञापन में बताया गया कि टोंक जिले में 237 सहकारी समितियां हैं, लेकिन वर्तमान में ग्राम सेवा सहकारी समितियों और क्रय-विक्रय समितियों को मिलाकर करीब 70 समितियों के माध्यम से ही खाद का वितरण हो रहा है। शेष समितियों में व्यवस्था नहीं होने से किसानों को डीएपी, यूरिया और अन्य उर्वरकों के लिए परेशानी उठानी पड़ रही है। भारतीय किसान संघ ने सभी समितियों की स्थिति की समीक्षा कर निष्क्रिय समितियों को निर्धारित समय-सीमा में सक्रिय करने की मांग की। साथ ही, जिले में ग्राम पंचायतों की संख्या बढ़कर 282 होने के मद्देनजर नवगठित पंचायतों में नियमानुसार ग्राम सेवा सहकारी समितियां खोलने का आग्रह किया गया। ज्ञापन में सभी पात्र समितियों के उर्वरक लाइसेंस जल्द जारी करने, समितियों के संचालन का समय निर्धारित करने और नियमित निरीक्षण और ऑडिट कराने की मांग भी की गई।

ठेका कर्मियों को दो महीने से वेतन नहीं, 10 महीने से पीएफ बकाया

कांग्रेस ने सरकार से की हस्तक्षेप की मांग

संचार जगत



अजमेर। अजमेर संभाग के सबसे बड़े जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय में कार्यरत ठेका कर्मचारियों को पिछले दो महीने से वेतन नहीं मिलने और 10 महीने से भविष्य निधि का अंशदान जमा न होने का गंभीर मामला सामने आया है। शहर जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता शैलेश गुप्ता ने इस मुद्दे को उठाते हुए राज्य सरकार और जिला प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। गुप्ता ने मुख्यमंत्री, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री, जिला कलेक्टर और अस्पताल प्रशासन को पत्र भेजकर कर्मचारियों के लंबित भुगतान का शीघ्र निस्तारण करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को समय पर पारिश्रमिक न मिलना बेहद चिंताजनक है, जिससे उनके सामने गहरा आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। गुप्ता ने बताया कि अस्पताल में कार्यरत फार्मासिस्ट, वार्ड लेडी, टेलीफोन ऑपरेटर, कंप्यूटर ऑपरेटर और वर्कशॉप से जुड़े कर्मचारियों को नियमित भुगतान नहीं किए जाने से उनके सामने घर का राशन, बच्चों की स्कूल फीस और मकान के किराए जैसे बुनियादी खर्च जुटाने की विकट समस्या खड़ी हो गई है। उन्होंने अस्पताल प्रशासन से संवेदनशीलता दिखाते हुए जल्द से जल्द वेतन जारी करने की दिशा में ठोस कदम उठाने को कहा।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने की जनसुनवाई

संचार जगत



जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र के वार्ड नंबर 17 में जनसुनवाई कर आमजन की समस्याओं को सुना। जनसुनवाई में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग पहुंचे और पानी, बिजली, सड़क, अतिक्रमण सहित विभिन्न समस्याओं से उपमुख्यमंत्री को अवगत कराया। दिया कुमारी ने लोगों की समस्याओं को गंभीरता और ध्यानपूर्वक सुनते हुए मौके पर मौजूद संबंधित अधिकारियों को उनके त्वरित समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आमजन की समस्याओं के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाए और सभी शिकायतों पर गंभीरता से कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। जनसुनवाई के बाद उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने झोटवाड़ा पुलिया के नीचे वार्ड नंबर 17 में लता सर्किल से रेलवे लाइन तक लगायी गई स्ट्रीट लाइट का का बटन दबाकर शुभारंभ किया । इस दौरान स्थानीय लोगों ने उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी का जोरदार स्वागत किया।

सीकर में घर से 18 साल की युवती लापता

सीकर। सीकर जिले में 18 साल की युवती के लापता होने का मामला सामने आया है। परिवार के लोगों को सुबह युवती घर पर नहीं मिली। परिवार ने परिचित युवक पर शक जताते हुए पुलिस में मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। 18 साल की युवती के पिता ने पुलिस में शिकायत देकर बताया कि 18 अक्टूबर की रात परिवार के सभी लोग घर पर सो रहे थे। अगले दिन 19 अक्टूबर की सुबह करीब 4 बजे उनकी आंख खुली तो देखा कि 18 साल की बेटी घर पर नहीं है। इसके बाद आस-पड़ोस और गांव में बेटी की काफी तलाश की लेकिन कुछ पता नहीं चल पाया।

पैरा एशियन गेम्स : भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन, पदकों की संख्या 100 के पार

नई दिल्ली/संचार जगत

जापान के आईची नागोया में चल रहे पैरा एशियन गेम्स में भारतीय एथलीटों का अब तक ऐतिहासिक प्रदर्शन देखने को मिला है, जिसमें साल 2022 में हुए हांगझोऊ एशियन पैरा गेम्स में जीते गए कुल 28 गोल्ड मेडल की संख्या को बराबरी करने में कामयाबी मिली है। मेडल टैली में अभी भारत चौथे नंबर पर है, जिसमें उसके नाम कुल 106 मेडल दर्ज हो चुके हैं। इसमें 28 गोल्ड के अलावा 34 सिल्वर और 44 ब्रॉन्ज मेडल शामिल है।



बैडमिंटन : तीन स्वर्ण सहित जीते 16 पदक



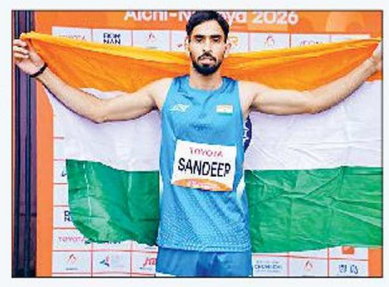
भारत के लिए एशियाई पैरा खेलों की बैडमिंटन स्पर्धा में शुक्रवार का दिन बेहतरीन रहा जब पेरिस पैरालम्पिक चैंपियन नितेश कुमार, नवीन शिवकुमार ने बैडमिंटन पुरुष एकल एसएल3 और एसएल4 में स्वर्ण पदक जीता जबकि तुलसीमति मुरूगेसन और मानसी जोशी ने महिला युगल एसयू5 में भारत की झोली में पीला तमगा डाला। इस तरह से भारत ने बैडमिंटन में तीन स्वर्ण, पांच रजत और आठ कांस्य सहित कुल 16 पदक के साथ अपने अभियान का समापन किया। मुरूगेसन और मानसी ने चीन की यांग कियूशिया और शियाओ जूशियान को 30 मिनट तक चले मुकाबले में हराया। 31 वर्ष के नितेश ने 38 वर्ष के प्रमोद भगत को हराया। वहीं 2018 और 2022 में स्वर्ण जीतने वाले प्रमोद को रजत पदक मिला नितेश और पेरिस पैरालम्पिक रजत पदक विजेता तुलसीमति को मिश्रित युगल एसएल3 . एसयू5 में रजत पदक भी मिला।



पैरा तीरंदाजी : हरविंदर और विजय को स्वर्ण

हरविंदर सिंह और विजय सुंडी ने पैरा रिकर्व पुरूष युगल फाइनल में चीन को 5-1 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। दोनों टीमों के बीच पहला सेट 35-35 से बराबरी पर था। भारत ने दूसरा सेट 37-36 से और तीसरा 38-36 से जीता। चीन के युन डुओ और झाओ लिक्सू की जोड़ी प्रदर्शन में निरंतरता नहीं रख सकी। इससे पहले भारत की भावना चौधरी और पूजा जटिया की जोड़ी महिला पैरा रिकर्व युगल फाइनल में चीन की गाओ जिहान और वांग शूकियान से 0-6 से हार गई और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

संदीप और हानी को विश्व रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण



भारत के संदीप और हानी ने क्रमशः पुरुषों की 400 मीटर टी64 फाइनल और पुरुषों की भालाफेंक एफ37 /38 स्पर्धा में विश्व रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीते। संदीप ने 52.28 सेकंड के विश्व रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि अजय कुमार को कांस्य पदक मिला। =सउदी अरब के नूर अलसाना को 53.13 सेकंड के साथ रजत पदक मिला जबकि अजय ने खेलों का रिकॉर्ड बनाकर 53.61 सेकंड के साथ कांस्य पदक जीता। संदीप और अलसाना टी44 श्रेणी में खेलते हैं जबकि कुमार टी64 श्रेणी के खिलाड़ी हैं। दोनों श्रेणियों की स्पर्धा अक्सर संयुक्त होती है। भालाफेंक एफ37 /38 स्पर्धा में हानी ने 60.49 मीटर (रजा अंक 1116) का विश्व रिकॉर्ड बनाकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। ईरान के होरमोज एस को 50 . 68 मीटर (रजा अंक 1009) के साथ रजत और चीन के यू चेंगजी को 53 . 66 मीटर (रजा अंक 943) के साथ कांस्य पदक मिला।इसके साथ ही भारत के इन खेलों में सौ पदक हो गए हैं।

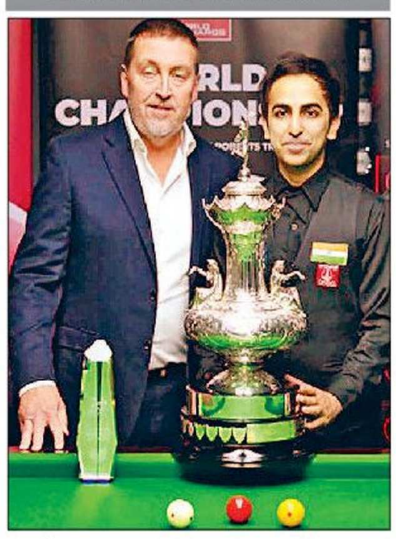
5 घंटे का रोमांचक फाइनल, रॉब को हराकर चैंपियन बने आडवाणी

नई दिल्ली/संचार जगत

क्यू खेल के दिग्गज खिलाड़ी पंकज आडवाणी ने डब्ल्यूबीएल विश्व बिलियर्ड्स चैंपियनशिप जीतकर करियर का 29वां विश्व खिताब अपने नाम किया और साबित कर दिया कि इस खेल में उनका जलवा अब भी कायम है।

इकतालिस वर्षीय आडवाणी सेमीफाइनल में पहुंचने वाले एकमात्र भारतीय थे और अंततः उन्होंने पांच घंटे तक चले बेहद रोमांचक फाइनल में इंग्लैंड के रॉब हॉल को 1906-1206 से शिकस्त दी। आडवाणी और हॉल दोनों के लिए फाइनल काफी अहम था। हॉल इससे पहले पांच बार विश्व बिलियर्ड्स चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचे थे, लेकिन हर बार खिताब जीतने से चूक गए थे। वहीं आडवाणी की नजरें क्यू खेलों में अपने विश्व खिताबों के बेमिसाल रिकॉर्ड को और बेहतर करने पर थीं।

डब्ल्यूबीएल विश्व बिलियर्ड्स चैंपियनशिप: पंकज ने जीता 29वां विश्व खिताब



91 के ब्रेक के साथ की फाइनल की शुरुआत

फाइनल की शुरुआत आडवाणी ने 91 के ब्रेक के साथ की। इसके बाद हॉल ने 203 का शानदार ब्रेक बनाकर बढ़त हासिल कर ली। मुकाबले के करीब दो घंटे बाद दोनों खिलाड़ी लगभग बराबरी पर थे। तभी आडवाणी ने एक और शतकीय ब्रेक लगाकर बढ़त बना ली। अगले 30 मिनट तक हॉल ने शानदार बिलियर्ड्स खेलते हुए 331 का ब्रेक बनाया और कई बार के विश्व चैंपियन आडवाणी से 300 से अधिक अंकों की बढ़त हासिल कर ली। मुकाबले में दो घंटे से भी कम समय बचा था और अंकों का अंतर लगातार बढ़ने के कारण आडवाणी मुश्किल स्थिति में नजर आ रहे थे।

भारत बनाम न्यूजीलैंड दूसरा टी-20 आज

सीरीज जीतने गेंदबाजों को दिखाना होगा दम

नई दिल्ली/संचार जगत

भारत पहले मैच में बल्लेबाजों के दम पर बड़ा लक्ष्य हासिल करने में सफल रहा लेकिन अगर उसे अपना विजय अभियान जारी रखना है तो न्यूजीलैंड के खिलाफ शनिवार को होने वाले दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में उसके गेंदबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

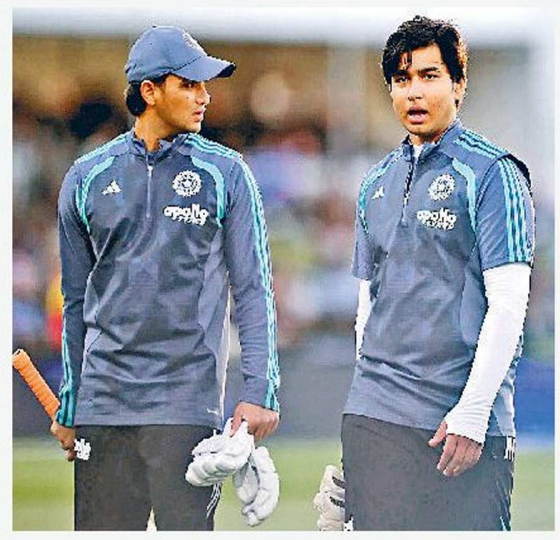
पिछले कुछ समय की तरह इस मैच में भी भारतीय गेंदबाजों का प्रदर्शन साधारण रहा। अगर बल्लेबाजों ने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया होता तो परिणाम उल्टा हो सकता था। भारत ने 226 रन का रिकार्ड लक्ष्य हासिल करके 5 मैच की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली लेकिन बल्लेबाजों पर अत्यधिक निर्भरता बाकी मैचों में भारी पड़ सकती है।

हाई लेंथ पर गेंदबाजी पर फोकस

दूसरे मैच में भी बल्लेबाजों के लिए परिस्थितियां अनुकूल रहने की उम्मीद है और ऐसे में गेंदबाजों को किसी भी तरह की गलती करने से बचना होगा। पहले टी20 में सबसे ज्यादा रन लुटाने वाले अक्षर पटेल पर भी दबाव होगा। भारत के कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा, 'हमें हार्ड लेंथ पर गेंदबाजी करनी चाहिए थी, लेकिन इसके बजाय हमने ओवर पिच गेंदबाजी अधिक की।'

वैभव सूर्यवंशी को मिल सकता है मौका

बल्लेबाजी की बात करें तो ईशान किशन के चोटिल होने के कारण 15 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को इस मैच में मौका मिल सकता है। उनका अभिषेक शर्मा के साथ पारी का आगाज करने की उम्मीद है जबकि संजू सैमसन तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आ सकते हैं। किशन के चोटिल होने के कारण तिलक वर्मा को पहले मैच में तीसरे नंबर पर भेजा गया था लेकिन अब उनके पांचवें या छठे नंबर पर ही आने की उम्मीद है। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी और एडम मिल्ने ने अपने पहले स्पेल में काफी स्विंग हासिल की, लेकिन उनकी लेंथ सैमसन और अभिषेक के लिए पर्याप्त कारगर साबित नहीं हुई।



न्यूजीलैंड के गेंदबाजों को करना होगा अच्छा प्रदर्शन

कप्तान मिचेल सैंटनर ने भी स्वीकार किया कि उनके गेंदबाजों के लिए भारत के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना सबसे बड़ी चुनौती होगी। सैमसन और अभिषेक ने पावरप्ले में न्यूजीलैंड के गेंदबाजों पर कहर बरपाते हुए 94 रन बनाए थे। इसके बाद सैंटनर और उनके साथी स्पिनर माइकल ब्रैसवेल ने बीच के ओवरों में भारतीय बल्लेबाजों को परेशान किया। वह फिर से इसी तरह का प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे। भारत के बाएं हाथ के बल्लेबाजों को ऑफ-स्पिन के खिलाफ संघर्ष करना पड़ा है। ब्रैसवेल के खिलाफ उनके रवैये में इसकी स्पष्ट झलक देखने को मिली थी। भारतीय बल्लेबाजी काफी मजबूत है और ऐसे में न्यूजीलैंड के गेंदबाजों को भी अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं भुवनेश्वर

भारत के लिए पांचवें और छठे गेंदबाज का विकल्प चिंता का विषय बना हुआ है क्योंकि चोटिल हार्दिक पंड्या की अनुपस्थिति में अन्य ऑलराउंडर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। पहले मैच में नीतीश रेड्डी ने चार ओवर में 40 रन दिए और उन्हें कोई विकेट नहीं मिला जबकि नमन धीर को गेंदबाजी का मौका नहीं मिला लेकिन उन्होंने बल्लेबाजी में मैच विजेता पारी खेली। भारत की गेंदबाजी की मुश्किलों को और बढ़ाने वाली बात यह है कि श्रृंखला के पहले मैच में उसके प्रमुख गेंदबाजों की जमकर धुनाई हुई। लगभग चार साल बाद भारत के लिए अपना पहला मैच खेल रहे भुवनेश्वर कुमार अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं थे और उन्होंने चार ओवरों में 49 रन लुटा दिए। उनकी दो नो-बॉल और उतनी ही वाइड गेंदों से पता चलता है कि उन्हें लय में आने के लिए और समय चाहिए। फिन एलन और उनके साथी सलामी बल्लेबाज टिम सीफर्ट ने पावरप्ले में भुवनेश्वर और अर्शदीप पर मनचाहे चौके लगाकर इन दोनों तेज गेंदबाजों पर दबाव बना दिया था।

मैच का समय : दोपहर 12:30 बजे

खबर संक्षेप

बीसीसीआई जूनियर चयन समिति के अध्यक्ष बने अवाना

नई दिल्ली। पूर्व तेज गेंदबाज परविंदर अवाना को बीसीसीआई की नवगठित जूनियर चयन समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। अवाना ने भारत के लिए 2 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। उन्होंने 62 प्रथम श्रेणी मैच में 191 विकेट हासिल किए। उन्होंने दिल्ली, भारत 'ए' और शेष भारत का भी प्रतिनिधित्व किया। इसके अलावा वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में किंग्स इलेवन पंजाब (अब पंजाब किंग्स) की ओर से खेले थे। संन्यास के बाद अवाना ने कोचिंग की राह अपनाई। उन्होंने दिल्ली की अंडर-16, अंडर-19 और अंडर-23 टीम के साथ काम किया। इसके अलावा वह भारत की अंडर-19 टीम के साथ बीसीसीआई और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' (सीओई) के विभिन्न कार्यक्रमों से भी जुड़े रहे।



जनवरी 2028 में ओलंपिक क्रिकेट क्वालीफायर



नई दिल्ली। लॉस एंजिलिस में 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों की क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए क्वालीफायर जनवरी-फरवरी 2028 में होंगे। रिपोर्ट के अनुसार महिला और पुरुष दोनों के लिए ओलंपिक क्वालीफायर को वैश्विक प्रतियोगिताओं की सूची में शामिल किया गया है, जिसे आईसीसी ने दुबई में अक्टूबर में हुई बैठकों के बाद अपने सदस्य बोर्डों के साथ साझा किया था। 2029 में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल 8 से 12 जून तक इंग्लैंड में होगा।इसमें कहा गया है, 'कुल मिलाकर 2027 और 2031 वनडे विश्व कप के बीच पुरुषों की 12, महिलाओं की सात और अडर 19 की पांच प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।'

भारत की जिम्बाब्वे पर आसान जीत

नई दिल्ली/संचार जगत

भारतीय महिला टीम ने श्रीचरणी (23 रन देकर 4 विकेट) के करियर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के बाद प्रतिका रावल (नाबाद 100) के तीसरे वनडे शतक और शेफाली वर्मा (नाबाद 64) के अर्धशतक से शुक्रवार को यहां पहले महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में जिम्बाब्वे पर 22.5 ओवर रहते 9 विकेट की आसान जीत दर्ज की।

पारी का आगाज करने के लिए भेजी गई प्रतिका ने 96 गेंद की पारी के दौरान 15 चौके लगाए और शेफाली ने भी आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 32 गेंद की पारी में चार चौके और चार छक्के जड़े। इन दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 106 रन की अटूट साझेदारी से भारत ने 27.1 ओवर में एक विकेट पर 200 रन बनाकर तीन मैच की श्रृंखला में 1-0 से बढ़त बना ली। भारतीय कप्तान स्मृति मंधाना (32 रन) आउट होने वाली एकमात्र बल्लेबाज रहीं।

भारत ने जिम्बाब्वे की पारी को झकझोरा

इससे पहले टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी जिम्बाब्वे के लिए बिलल्ड बीजा ने 62 रन की अर्धशतकीय पारी खेली लेकिन इसके बावजूद टीम 200 रन के अंदर सिमट गई। भारतीय गेंदबाजों ने अहम मौकों पर विकेट चटकाकर जिम्बाब्वे की पारी को झकझोर दिया। क्रांति गौड़ (42 रन देकर तीन विकेट) ने भी उनका अच्छा साथ निभाया। दोनों ने यहां कोटांबी के बल्लेबाजी के मुफीद विकेट पर जिम्बाब्वे को बड़ा स्कोर बनाने से रोक दिया।



महिला वनडे

- प्रतिका ने जड़ा शतक
- शेफाली ने खेली नाबाद अर्धशतकीय पारी
- श्रीचरणी ने झटके 4 विकेट

श्रीचरणी के करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

इससे पहले श्रीचरणी ने 10 ओवर में 23 रन देकर चार विकेट झटककर अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, जिससे जिम्बाब्वे की टीम 49.5 ओवर में 197 रन पर सिमट गई। प्रतिका ने बल्लेबाजी के लिए मुफीद पिच पर बिना कोई जोखिम लिए बेहतरीन शॉट्स लगाए। आसान पिच और जिम्बाब्वे की कमजोर गेंदबाजी के सामने भारतीय टीम ने तेज शुरुआत की। हालांकि 16वें ओवर में मंधाना का विकेट गिर गया। वह ओलिंडर चारे की गेंद पर लांग ऑन पर खड़ी बिलल्ड बीजा को कैच थमा कर पवेलियन पहुंची।

आज से भारत ए और न्यूजीलैंड ए में भिड़ंत



लिंकन। केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल जैसे सीनियर टीम के खिलाड़ी भारत ए और न्यूजीलैंड ए के बीच शनिवार से शुरू होने वाले पहले चार दिवसीय मैच में अच्छा प्रदर्शन करके अगले महीने होने वाली दो टेस्ट मैच की श्रृंखला के लिए अपनी तैयारी को पुख्ता करने की कोशिश करेंगे। विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल की अगुवाई में भारत ए टीम बर्ट सटक्लिफ ओवल स्टेडियम में अपने अभियान की शुरुआत करेगी। इस मैच से भारतीय खिलाड़ियों को 19 नवंबर से वेलिंगटन में शुरू होने वाली टेस्ट श्रृंखला से पहले परिस्थितियों को समझने का अच्छा मौका मिलेगा। यह टेस्ट श्रृंखला विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का हिस्सा है। राहुल और जायसवाल भारतीय टीम में शामिल दो प्रमुख नाम हैं। उनके अलावा देवदत्त पडिक्कल, वाशिंगटन सुंदर, साई सुदर्शन तथा तेज गेंदबाज आकाशदीप, अंशुल कंबोज और मुकेश कुमार भी ऐसे खिलाड़ी हैं, जो सीनियर टीम का हिस्सा हैं।

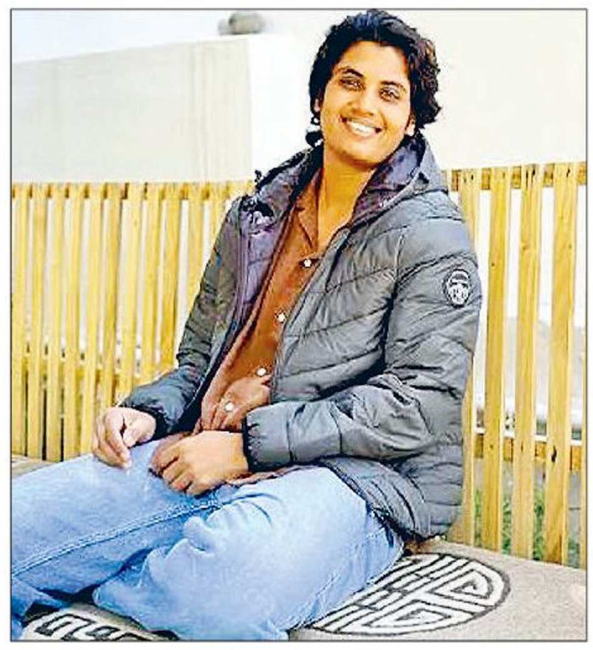
पंत नहीं खेलेंगे मैच

ऋषभ पंत चोट से उबरने के लिए बेंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में हैं, इसलिए वह भारत ए टीम का हिस्सा नहीं हैं। वह ईरानी ट्रॉफी में शेष भारत की कप्तानी करते हुए चोटिल हो गए थे। उनके स्थान पर विकेटकीपर बल्लेबाज कुमार कुशाग्र को दौरे के पहले दो मैचों के लिए टीम में शामिल किया गया था। तीसरे मैच में पंत की उपलब्धता पर फैसला बाद में लिया जाएगा। कप्तान जुरेल विकेटकीपिंग के विकल्प के तौर पर उपलब्ध हैं।

4 नवंबर से शुरू होगी वनडे श्रृंखला

आकाश दीप भी उन गेंदबाजों में शामिल होंगे, जो लय और मैच फिटनेस हासिल करने की कोशिश करेंगे। कुछ सीनियर खिलाड़ियों की हालांकि भारत ए की तरफ से सभी तीनों मैच में खेलने की संभावना नहीं है क्योंकि वह 4 नवंबर से शुरू होने वाली वनडे श्रृंखला का हिस्सा हैं। भारत ए और न्यूजीलैंड ए के बीच दूसरा अनौपचारिक टेस्ट मैच 31 अक्टूबर से 3 नवंबर तक क्राइस्टचर्च में जबकि तीसरा मैच 7 से 10 नवंबर तक लिंकन में होगा।

30 साल की मेघना का क्रिकेट से संन्यास



नई दिल्ली/संचार जगत

■ टीम इंडिया के लिए खेले 20 इंटरनेशनल मैच

भारत की शीर्ष क्रम की बल्लेबाज एस मेघना ने क्रिकेट के सभी प्रारुपों से संन्यास की घोषणा की। आंध्रप्रदेश की 30 साल की इस खिलाड़ी नवंबर 2022 में आखिरी बार भारत का प्रतिनिधित्व किया था। वह महिला प्रीमियर लीग में आरसीबी और गुजरात जायंट्स के लिए खेल चुकी है।

मेघना ने पोस्ट में लिखा, खिलाड़ी के तौर पर क्रिकेट के सभी प्रारुपों से संन्यास की घोषणा करते हुए मेरा दिल कृतज्ञता की भावना से भरा हुआ है। भारत के लिए 3 वनडे और 17 टी20 अंतरराष्ट्रीय खेलने वाली इस खिलाड़ी ने कहा, 'मैदान मेरे लिए दूसरे घर की तरह रहा है। इसने मुझे विपरीत परिस्थितियों में डटे रहना और विनम्र बने रहना सिखाया। इसने मुझे ऐसी यादें और दोस्त दिए हैं, जिन्हें मैं जीवनभर संजोकर रखूंगी।'

2016 में किया था डेब्यू

मेघना ने वर्ष 2016 में वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत की ओर से टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था। इसके छह साल बाद उन्होंने अपना पहला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेला। उन्होंने दोनों ही प्रारुपों में एक-एक अर्धशतक लगाया है।

मैं हमेशा क्रिकेट से जुड़ी रहूंगी

मेघना ने लिखा, 'भले ही क्रिकेट खेलने के मेरे दिन अब समाप्त हो गए हैं, लेकिन इस खेल से मेरा रिश्ता कभी नहीं टूटेगा। मैं हमेशा क्रिकेट से जुड़ी रहूंगी। मेरा इरादा अपना जीवन इस खेल को कुछ लौटाने, अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों को मार्गदर्शन देने और उस खेल की सेवा में समर्पित करने का है, जिसने मुझे सब कुछ दिया है।

एशियन टेबल टेनिस चैंपियनशिप: भारत ने 1954 में मिक्स्ड डबल्स में जीता था पदक

72 साल का सूखा खत्म, सेफा में हरमीत-यशस्वीनी

नई दिल्ली/संचार जगत

हरमीत देसाई और यशस्वीनी घोरपड़े ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। ताशकंद में चल रही एशियन टेबल टेनिस चैंपियनशिप के मिक्स्ड डबल्स इवेंट में इस जोड़ी ने भारत के लिए एक मेडल पक्का कर लिया है। भारतीय जोड़ी सेमीफाइनल में पहुंच गई है, जिससे एशियन टेबल टेनिस चैंपियनशिप के मिक्स्ड डबल्स इवेंट में 72 साल बाद भारत के लिए मेडल पक्का हो गया है। इससे पहले भारत ने इस इवेंट में आखिरी बार 1954 में मिक्स्ड डबल्स में मेडल जीता था। सेमीफाइनल में जगह बनाकर हरमीत और यशस्वीनी ने कम से कम ब्रॉन्ज मेडल पक्का कर लिया है। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में साउथ कोरिया के पार्क गैंगह्योन और ली डेउन को 3-2 से हराया।

सेमीफाइनल में मुकाबला जापान की जोड़ी से

अब सेमीफाइनल में हरमीत और यशस्वीनी का मुकाबला जापान के सोरा मात्सुशिमा और मिवा हारिमोटो से होगा, जिसमें जीतने वाली जोड़ी फाइनल में अपनी जगह बनाएगी। एक अन्य भारतीय मिक्स्ड जोड़ी, पायस जैन और सिंड्रेला दास मेडल पक्का करने से चूक गई। उन्हें क्वार्टर फाइनल में चीन के यी चेन और हुआंग युझोंग से 0-3 से हार का सामना करना पड़ा। हरमीत हाल ही में हुए एशियन गेम्स का भी हिस्सा थे, लेकिन जिन तीन इवेंट्स में उन्होंने भाग लिया, उनमें से किसी में भी वह मेडल नहीं जीत सके।



हरमीत ने मेंस डबल्स में लिया था हिस्सा

हरमीत ने सत्यन ज्ञानसेकरन के साथ मेंस डबल्स इवेंट में भी हिस्सा लिया था। हालांकि, तीसरे राउंड में उन्हें जापान के सोरा मात्सुशिमा और शुनसुके तोगामी से हार का सामना करना पड़ा और वह टूर्नामेंट से बाहर हो गए। यशस्वीनी भी एशियन गेम्स से खाली हाथ लौटी थीं। वह विमेंस सिंगल्स के तीसरे राउंड में जापान की मिवा हारिमोटो से हार गई थीं।

9 फरवरी से जेएसडब्ल्यू इंडियन ओपन स्क्वॉश



मुंबई। जेएसडब्ल्यू इंडियन ओपन स्क्वॉश टूर्नामेंट के तीसरे सत्र का आयोजन अगले साल 9 से 13 फरवरी तक किया जाएगा, जिसमें महिला स्पर्धा को 'प्रोफेशनल स्क्वॉश एसोसिएशन (पीएसए)' विश्व टूर में सिल्वर स्तर पर अपग्रेड किया गया है। इस अपग्रेड के साथ यह पीएसए टूर में भारत का पहला महिला सिल्वर स्तर का टूर्नामेंट होगा।

दिल्ली की सेवा करने वाले हजारों कर्मियों की चिंता करना हमारा फर्ज : रेखा

'निगम के एमटीएस कर्मियों के खातों में भेजा गया बढ़ा हुआ वेतन'

नई दिल्ली/संचार जगत

दिल्ली सरकार उन सभी कर्मियों के सम्मान, अधिकारों और कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है, जो दिन-रात दिल्लीवासियों की सेवा में जुटे रहते हैं। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के मुख्यालय स्थित केदारनाथ साहनी ऑडिटोरियम में एमटीएस (मल्टी टास्किंग स्टाफ) जन स्वास्थ्य कर्मियों को समान कार्य के लिए समान वेतन देने के निर्णय के उपलक्ष्य में आयोजित 'धन्यवाद कार्यक्रम' में यह संबोधन दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस निर्णय से दिल्ली नगर निगम के लगभग 4,000 एमटीएस (पब्लिक हेल्थ) कर्मियों को सीधा लाभ मिलेगा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी कर्मियों को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बटन दबाकर निगम के एमटीएस (जनस्वास्थ्य) कर्मियों का बढ़ा हुआ वेतन उनके खातों में भेजा। वहीं, दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली नगर निगम दिल्ली सरकार के कार्यों को धरातल पर उतारने में सहयोग कर रहा है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने एमटीएस कर्मियों का इस्तेमाल किया और केवल आश्वासन दिए और उनके वेतन में कोई वृद्धि नहीं हुई। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कर्मियों से अपील की कि वे जनता के साथ सदैव विनम्रता, संवेदनशीलता और सेवाभाव से व्यवहार करें। उन्होंने कहा कि जनसेवा में लगे कर्मचारी सरकार का चेहरा होते हैं और उनका व्यवहार ही जनता के बीच सरकार की छवि बनाता है। नागरिकों की समस्याओं का समाधान करना और उनके साथ सम्मानपूर्वक पेश आना प्रत्येक कर्मचारी की जिम्मेदारी है।



'घर-घर जाकर नागरिकों के स्वास्थ्य की रक्षा में निभा रहे भूमिका'

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह निर्णय उनके तीन दशकों के समर्पण, संघर्ष और दिल्ली की सेवा का सम्मान है। वर्ष 1996 में दिल्ली में डेंगू के प्रकोप के दौरान नियुक्त किए गए ये कर्मचारी पिछले लगभग 30 वर्षों से घर-घर जाकर नागरिकों के स्वास्थ्य की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उनके वर्षों के संघर्ष और योगदान को उचित सम्मान देना सरकार का दायित्व है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल व्यवस्थाओं में सुधार करना नहीं, बल्कि उन लोगों के जीवन में भी सकारात्मक बदलाव लाना है, जो इन व्यवस्थाओं को धरातल पर उतारते हैं। जब कर्मियों को उनके कार्य के अनुरूप सम्मान, सुरक्षा और उचित सुविधाएं मिलती हैं, तो उनका मनोबल बढ़ता है और वे अधिक उत्साह के साथ जनसेवा में योगदान देते हैं।

'कर्मियों को योगदान के अनुरूप मिले सम्मान'

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार ने विभिन्न वर्गों के कर्मियों और जनसेवा से जुड़े कर्मियों के हित में लगातार कदम उठाए हैं। आशा बहनों और आंगनवाड़ी बहनों के मानदेय में वृद्धि तथा नर्सिंग इंटर्न के मासिक स्टाइपेंड में बढ़ोतरी इसी प्रतिबद्धता के उदाहरण हैं। सरकार का प्रयास है कि समाज के प्रत्येक वर्ग की सेवा करने वाले कर्मियों को उनके योगदान के अनुरूप सम्मान मिले और उनकी आवश्यकताओं एवं हितों का ध्यान रखा जाए। सभी जनप्रतिनिधि, अधिकारी और कर्मचारी मिलकर कार्य करेंगे, तो दिल्ली को देश के सर्वश्रेष्ठ शहरों में स्थापित किया जा सकेगा।

सीएम ने बिना किसी देरी के दी राशि: वाही

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर प्रवेश वाही ने कहा कि पिछले बजट में जब हमने एमटीएस (जनस्वास्थ्य) कर्मियों के वेतन में वृद्धि की घोषणा का जब मुख्यमंत्री से जिक्र किया तो इन्होंने पूछा कि इसमें कितना खर्च आएगा हमने कहा 52 करोड़ रूपये प्रति वर्ष तो मुख्यमंत्री ने बिना किसी देरी के अपनी स्वीकृति दे दी और आज हम इसका नतीजा देख सकते है जब बटन दबाकर इस बड़ी हुई राशि को एमटीएस कर्मियों के खातों में भेज दिया गया है। यह सब मुख्यमंत्री के नेतृत्व में संभव हो पाया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने एक कार्यक्रम में कहा कि निगम के कर्मचारी अपनी कार्यशैली ऐसी रखें कि निगम की सराहना हो और यह बात मुख्यमंत्री तक जाए कि निगम अच्छा कार्य कर रहा है।

'प्रदूषण हॉटस्पॉट की पहचान कर कार्रवाई सुनिश्चित करें प्रशासन'

नई दिल्ली/संचार जगत

दिल्ली में प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए दिल्ली सरकार ने प्रशासन को जिला स्तर पर प्रदूषण हॉटस्पॉट की पहचान कर समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। दिल्ली सरकार के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने शुक्रवार को कापसहेड़ा स्थित जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय में दक्षिण-पश्चिम और पश्चिम दिल्ली जिलों में वायु प्रदूषण नियंत्रण उपायों की समीक्षा के बाद यह जानकारी साझा की। बैठक में संबंधित विधायक, जिलाधिकारी (डीएम), पुलिस, एमसीडी, पीडब्ल्यूडी, मेट्रो, रेलवे, ट्रैफिक पुलिस तथा अन्य संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। बैठक में दोनों जिलों के प्रदूषण हॉटस्पॉट, क्रेमेटोरियम, ट्रैफिक जाम वाले स्थानों, धीमी ट्रैफिक मूवमेंट, सड़क की धूल, अतिक्रमण, निर्माण गतिविधियों और खुले में कूड़ा एवं बायोमास जलाने सहित प्रदूषण के विभिन्न स्रोतों की समीक्षा की गई। मंत्री ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ जमीनी स्तर पर कार्रवाई करने तथा चिन्हित समस्याओं के समाधान के लिए स्पष्ट कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। सिरसा ने कहा कि इन नियमित बैठकों का उद्देश्य जिला स्तर पर प्रदूषण के स्रोतों की पहचान करना, रोकथाम के उपायों की समीक्षा करना और संबंधित एजेंसियों के बीच समन्वय स्थापित कर प्रभावी एवं समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करना है।



■ पर्यावरण मंत्री ने की समीक्षा बैठक

ओ-जोन पर सरकार लगातार कर रही है विचार: बिधूड़ी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने आश्वासन दिया है कि 'ओ-जोन' के मसले को हल करने के लिए लगातार विचार- विमर्श किया जा रहा है और सभी संबंधित एजेंसियों की उच्च स्तरीय बैठकें की जा रही हैं। अदालत में भी सरकार सोच-समझकर अपना मत रखने जा रही है। दक्षिण दिल्ली से सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सांसद ने बताया कि उन्होंने यह मामला इस वर्ष मानसून सत्र में 20 जुलाई को नियम-377 के अंतर्गत उठाया था। केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू ने बिधूड़ी को भेजे जवाब में कहा है कि मंत्रालय सभी संबंधित मुद्दों की जांच के लिए हितधारक एजेंसियों से सक्रिय रूप से तालमेल कर रहा है। मंत्रालय इस संबंध में इस वर्ष 6 अप्रैल, 8 जून, 6 जुलाई, 29 जुलाई और 18 अगस्त को उच्चस्तरीय बैठक कर चुका है। डीडीए इस मामले में सभी एजेंसियों से जानकारी एकत्र कर रहा है और 18 अगस्त को हुई बैठक में डीडीए ने सारी जानकारी एकत्र करने के लिए और समय मांगा है।

डीडीए नरेला में 1,648 अतिरिक्त एलआईजी फ्लैट कराएगा उपलब्ध

नई दिल्ली/संचार जगत

दशहरे के अवसर पर शुरू की गई डीडीए आवास निवेश योजना-2026 को मिले जबरदस्त जनसमर्थन के बाद दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने नरेला में 1,648 अतिरिक्त निम्न आय वर्ग (एलआईजी) फ्लैट उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। डीडीए प्रशासन ने शुक्रवार को जानकारी साझा करते हुए बताया कि दिल्ली के उपराज्यपाल एवं डीडीए के अध्यक्ष सरदार तरनजीत सिंह संधू के मार्गदर्शन में इन फ्लैटों को 25 प्रतिशत की एकमुश्त छूट के साथ लगभग 14.95 लाख रुपये प्रति फ्लैट की कीमत पर उपलब्ध कराया जाएगा। इन अतिरिक्त फ्लैटों की ऑनलाइन बुकिंग 29 अक्टूबर 2026 को दोपहर 12 बजे से शुरू होगी। इच्छुक आवेदक डीडीए के आवास पोर्टल [https://eservices.dda.org.in](https://eservices.dda.org.in?utm_source=chatgpt.com)) के माध्यम से बुकिंग कर सकेंगे।

चीन और म्यांमार में दर्ज किए गए झटके, आपदा में 339 घर हुए तबाह

तिब्बत में 7.0 तीव्रता के भूकंप से मची भारी तबाही, 16 की मौत, 54 घायल

नई दिल्ली/संचार जगत

तिब्बत में गुरुवार रात आए 7 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप ने भारी तबाही मचाई। इस प्राकृतिक आपदा में कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई, जबकि 54 लोग घायल हुए हैं। उत्तरी तिब्बत के नागचू शहर में भूकंप के झटकों से सैकड़ों मकान ढह गए। जिसके बाद 12,000 से अधिक निवासियों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया। भूकंप के बाद चीन ने जिंदा बचे लोगों की तलाश के लिए क्षेत्र में उपग्रह और ड्रोन तैनात किए। नागचू के अधिकारियों के मुताबिक, भूकंप के कारण 339 घर और पशुओं को रखने के 20 बाड़े गिर गए। घटना के बाद प्रभावित इलाकों में राहत और बचाव अभियान शुरू कर दिया गया। इस काम में 1,600 से अधिक बचावकर्मियों को लगाया गया है। प्रभावित लोगों की मदद के लिए राहत सामग्री भी भेजी गई है। इसमें करीब 3,000 तंबू, 1,000 तैयार आवासीय इकाइयां, फोल्डिंग बेड, टॉर्च और सर्दियों में काम आने वाले कपड़े शामिल हैं।

यूएसजीएस के अनुसार, भूकंप स्थानीय समयानुसार रात 10 बजकर 33 मिनट पर आया। इसका केंद्र नागचू से 191 किमी पूर्व-उत्तर-पूर्व में था। भूकंप का केंद्र उत्तरी तिब्बत के कम आबादी वाले ऊंचाई वाले इलाके में स्थित था। इसकी गहराई 18 किमी दर्ज की गई। नागचू तिब्बत की राजधानी ल्हासा से 300 किमी से अधिक उत्तर में स्थित है। सरकारी समाचार एजेंसी ने ल्हासा से खबर दी कि अब तक 12,489 लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया जा चुका है। उसने बताया कि बचाव एवं राहत अभियान के साथ-साथ प्रभावित लोगों के पुनर्वास की व्यवस्था करने का काम जारी है।

चीन एयरोस्पेस विज्ञान और प्रौद्योगिकी निगम (सीएएससी) ने शुक्रवार को बताया कि बचाव कार्यों में मदद के लिए चीन ने भूकंप प्रभावित इलाके में आपातकालीन संचार सुविधा देने और वहां की तस्वीरें लेने के लिए उपग्रहों और मानवरहित विमानों को तैनात किया है। तिब्बती पठार को भूकंप के खतरे के लिहाज से बेहद संवेदनशील माना जाता है। यह क्षेत्र उस स्थान के ठीक ऊपर स्थित है, जहां यूरेशियाई एवं भारतीय टेक्टोनिक प्लेटें आपस में टकराती हैं, जिससे भूकंपीय कंपन पैदा होती है। चीन ने भूकंप के बाद आपातकालीन आपदा राहत के लिए लगभग 75 लाख अमेरिकी डॉलर (पांच करोड़ युआन) आवंटित किए हैं और पुनर्वास कार्यों के लिए तीन करोड़ युआन की अतिरिक्त राशि निर्धारित की है।



पाकिस्तान और अफगानिस्तान में भी भूकंप आया

पाकिस्तान में शुक्रवार सुबह 4 बजकर 56 मिनट 49 सेकंड (भारतीय समयानुसार) पर भूकंप दर्ज किया गया। इसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.9 मापी गई। भूकंप का केंद्र 28.919 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 64.678 डिग्री पूर्वी देशांतर पर था। इसकी गहराई जमीन से 15 किलोमीटर नीचे दर्ज की गई। वहीं अफगानिस्तान में भी सुबह 5 बजकर 54 मिनट 48 सेकंड (भारतीय समयानुसार) पर 4.1 तीव्रता का भूकंप आया। इसका केंद्र 35.138 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 69.442 डिग्री पूर्वी देशांतर पर था। भूकंप की गहराई 25 किलोमीटर दर्ज की गई।

बाढ़ से निपटने के लिए 622 करोड़ की मंजूरी: प्रवेश

'यमुना किनारे बनाई जाएगी 4.7 किलोमीटर लंबी आरसीसी दीवार'

नई दिल्ली/संचार जगत

दिल्ली में बाढ़ और जलभराव से निपटने के लिए दिल्ली सरकार ने 622 करोड़ रुपए की परियोजनाओं को मंजूरी दी है। दिल्ली के सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण मंत्री प्रवेश साहिब सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को आयोजित दिल्ली सचिवालय में सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग के फ्लड कंट्रोल बोर्ड की 40वीं बैठक में इन परियोजनाओं को मंजूरी दी गई। बैठक में जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान, नालों से निकाली जाने वाली गाद के वैज्ञानिक निस्तारण, ड्रेनेज इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने और मानसून की बेहतर तैयारियों पर विशेष ध्यान दिया गया। मंत्री प्रवेश ने बताया कि बोर्ड ने मैगजीन रोड नाले से ओल्ड रेलवे ब्रिज तक यमुना के संवेदनशील हिस्से में 99 करोड़ रुपए की लागत से 4.7 किलोमीटर लंबी प्रबलित सीमेंट कंक्रीट (आरसीसी) दीवार बनाने को मंजूरी दी।

इससे यमुना का जलस्तर बढ़ने के दौरान निचले इलाकों को सुरक्षा प्रदान करने में मदद मिलेगी। मंत्री ने अधिकारियों को सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा करने तथा परियोजनाओं की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।



जार्डन की चर्च में घुसकर गोलीबारी, सात की मौत

अम्मान, आरएनएन। जॉर्डन की एक चर्च में दो बंदूकधारियों ने चर्च के भीतर घुसकर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। इस हमले में सात लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, वहीं 34 लोग घायल है। रिपोर्ट के अनुसार जॉर्डन की जांच एजेंसी ने बताया कि शुक्रवार को जॉर्डन के एक ग्रीक ऑर्थोडॉक्स चर्च के अंदर बंदूकधारियों ने गोलीबारी की।

यह गोलीबारी राजधानी अम्मान से 180 किमी दक्षिण में स्थित करक के एक ग्रीक ऑर्थोडॉक्स चर्च में हुई। प्रत्यक्षदर्शी ने अल-ममलका को बताया कि बंदूकधारी एक गाड़ी में आए थे। उन्होंने पांच मिनट तक गोलियां चलाईं और फिर वहां से भाग गए। उस समय चर्च के अंदर और आसपास 150 से 200 लोग मौजूद थे।

इतालवी नौसेना के चीफ ऑफ स्टाफ का स्वागत

नई दिल्ली, आरएनएन। नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्ण स्वामीनाथन ने शुक्रवार को नई दिल्ली में इतालवी नौसेना के चीफ ऑफ स्टाफ एडमिरल ग्यूसेप बेरुत्ती बरगोट्टो के साथ बैठक की।

इस दौरान दोनों देशों की नौसेनाओं के बीच आपसी संबंधों को संस्थागत रूप देने, परिचालन सहयोग को गहरा करने, साझा समुद्री सुरक्षा प्राथमिकताओं पर बहुपक्षीय सहयोग का विस्तार करने और पेशेवर आदान-प्रदान को मजबूत करने पर चर्चा हुई। वार्ता से पहले एडमिरल कृष्ण स्वामीनाथन ने एडमिरल ग्यूसेप बेरुत्ती बरगोट्टो का स्वागत किया और उन्हें नई दिल्ली के साउथ ब्लॉक लॉन में औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

मेलानिया का दावा-रूस-यूक्रेन ओलेश्की में सीजफायर को राजी

वाशिंगटन, आरएनएन। अमेरिका की प्रथम महिला मेलानिया ट्रम्प की मध्यस्थता से रूस और यूक्रेन के ओलेश्की शहर में सीमित युद्धविराम के लिए सहमत हो गए हैं।

इस डील के तहत दोनों देश ओलेश्की में सभी प्रकार की सैन्य गतिविधियों को अस्थायी रूप से रोकेंगे, ताकि वहां मानवीय सहायता पहुंचायी जा सके और एक सुरक्षित गलियारे के जरिए नागरिकों को निकाला जा सके। यह आंशिक युद्धविराम 29 अक्टूबर से प्रभावी होगा। मेलानिया ने कहा कि ओलेश्की में हालात बेहद गंभीर हैं। यह शहर तबाही की कगार पर एक अग्रिम मोर्चे का युद्ध क्षेत्र बन चुका है।

यहां बचे हुए लोगों में ज्यादातर बुजुर्ग हैं, जिन्हें तत्काल चिकित्सा सहायता, दवाइयां, भोजन और साफ पानी की सख्त जरूरत है उन्होंने कहा कि ओलेश्की के लोगों के पास बिजली की भारी किल्लत है, वे बारूदी सुरंगों के बीच रहने को मजबूर हैं और रोजाना हमलों का सामना कर रहे हैं।



स्कूलों में किताबें आ रही हैं तो 'आप' को दिख रहा है घोटाला: भाजपा

नई दिल्ली। पिछले करीब 11 साल के आम आदमी पार्टी (आप) के शासन काल में स्कूल में किताबों के दर्शन दुर्लभ थे, पूरा शैक्षणिक सत्र बीत जाता था और यह आप नेता किताब ला नहीं पाते थे, इस कारण आज जब दो साल से नियमित किताबें आ रही हैं तो अब इन्हे उसमें घोटाला दिख रहा है। दिल्ली भाजपा के प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने शुक्रवार को आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल और उनकी टीम पर निशना साधते हुए यह बयान जारी किया। प्रवक्ता कपूर ने कहा है कि यह हास्यास्पद है कि जिस सरकार के शासनकाल में लगभग हर सत्र में किताब संकट रहता था उसके पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज आज किताबों में घटिया पन्ने की बात कर रहे हैं, ऐसा लगता है शायद सौरभ भारद्वाज कोई एक्सपर्ट है जो कागज की क्वालिटी भी जज कर देते हैं। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता कपूर ने आरोप लगाते हुए कहा कि आप के प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज आजकल सबसे बड़े प्रवक्ता बन गए हैं। इन्होंने 11 साल दिल्ली में विकास ठप्प करके घोटाले की सरकार चलाई इसलिए अब जब विकासशील सरकार चल रही है तो इन्हें इसमे भी हर चीज में घोटाला लग रहा है।

रेखा सरकार बनी घोटालों की सरकार, दवा, साइकिल, चावल, टेंडर और अब किताब घोटाला : भारद्वाज

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश आम आदमी पार्टी के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाए हैं कि रेखा सरकार घोटालों की सरकार बन चुकी है। रेखा सरकार में दवा, साइकिल, चावल, टेंडर के बाद अब नया घोटाला सामने आया है, जिसका नाम है किताब घोटाला। उन्होंने आरोप में कहा कि रेखा सरकार ने टेंडर का स्पेसिफिकेशन एनसीईआरटी का देकर घटिया क्वालिटी के पेपर पर किताब छपवाई है। उन्होंने पूछा कि रेखा सरकार में शिक्षा मंत्री आशीष सूद बताएं कि बच्चों की किताब में 40 फीसद कमीशन किसने खाया। आठवीं की किताब का प्रिंट इतना छोटे अक्षरों में है और कागज इतना घटिया है कि बच्चों को पढ़ने में भी दिक्कत हो रही है। शुक्रवार को आप मुख्यालय में प्रेस वार्ता करते हुए भारद्वाज ने कहा कि भाजपा की सरकारें हमेशा शिक्षा के विरुद्ध रही हैं, क्योंकि इनकी दिलचस्पी निजी स्कूलों को बढावा देने में ही रही है। जिसके तहत निजा स्कूलों की फीस पिछले साल भी बढ़ाई गई थी और इस साल भी बढ़ाई गई है।

कश्मीर मामले में भारत ने पाक को लताड़ा

न्यूयॉर्क, आरएनएन। आतंकवाद, धार्मिक स्वतंत्रता और अल्पसंख्यकों के अधिकारों जैसे मुद्दों पर पाक के दोहरे मापदंड एक बार फिर सबके सामने आए हैं। भारत ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय को ठोस सबूत दिखाते हुए एक बार फिर याद दिलाया है कि पाकिस्तान के पास भारत के जम्मू-कश्मीर और उसके आंतरिक मामलों पर टिप्पणी करने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। यूएन में भारत के स्थायी मिशन की प्रथम सचिव भाविका मंगलानंदन ने अन्य वरिष्ठ भारतीय राजनयिकों के साथ मिलकर धर्म और विश्वास की स्वतंत्रता पर विशेष प्रतिवेदक के साथ एक संवाद में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने ऐसे अकाट्य सबूत और तथ्य पेश किए जिनसे पता चलता है कि 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान मारे गए अपने सैनिकों के शवों को लेने से पाक ने इनकार कर दिया था। मंगलानंदन ने कहा कि यह बड़े ही विरोधाभास की बात है कि जो देश 1999 में कारगिल की लड़ाई में मारे गए अपने ही सैनिकों के शवों को लेने तक के लिए तैयार नहीं था।





कारों में हो रही दुर्घटनाओं को लेकर अंकुश की तैयारी, भारी वाहनों के लिए भी नए मानक होंगे प्रस्तावित

2030 से नई कारों में ऑटोमैटिक ब्रेकिंग सिस्टम जरूरी होंगे

नई दिल्ली/संचार जगत

सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए केंद्र सरकार वाहनों में आधुनिक सुरक्षा तकनीक अनिवार्य करने की तैयारी कर रही है।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के मसौदा प्रस्ताव के मुताबिक, एक अक्टूबर 2030 से सभी नए कार मॉडलों में एडवांस्ड इमरजेंसी ब्रेकिंग सिस्टम (एईबीएस) अनिवार्य करने की योजना है। पहले से उत्पादन में मौजूद कार मॉडलों को नए मानकों के अनुरूप बनाने के लिए एक अक्टूबर 2032 तक का समय देने का प्रस्ताव है। एईबीएस ऐसी तकनीक है, जो संभावित टक्कर का खतरा पहचानकर चालक की ओर से समय पर ब्रेक नहीं लगाने की स्थिति में वाहन को अपने आप रोकने या उसकी गति कम करने में मदद करती है।

तकनीक की होगी परीक्षा

देश में एक्सप्रेसवे, राष्ट्रीय राजमार्ग और भीड़भाड़ वाली शहरी सड़कों पर यातायात की परिस्थितियां अलग-अलग हैं। कई स्थानों पर खराब सड़क चिह्न, अपर्याप्त संकेतक, गड्ढे, अचानक सड़क पार करते पैदल यात्री और अव्यवस्थित यातायात जैसी समस्याएं देखने को मिलती हैं। एईबीएस की कार्यक्षमता वाहन में लगे कैमरों, रडार, सेंसर और सॉफ्टवेयर पर निर्भर करती है।

दुर्घटनाएं रोकने में मदद, लेकिन सीमाएं भी

एईबीएस चालक की प्रतिक्रिया में देरी होने पर अतिरिक्त सुरक्षा प्रदान कर सकता है। खासकर तब, जब सामने मौजूद वाहन या किसी अन्य बाधा से टक्कर की आशंका हो। इसके बावजूद तेज रफ्तार, कम दूरी, खराब दृश्यता और अचानक सामने आने वाली बाधाओं की स्थिति में यह हर दुर्घटना को रोकने में सक्षम नहीं होगा। कुछ परिस्थितियों में सेंसर किसी वस्तु या स्थिति को खतरे के रूप में पहचानकर अनावश्यक ब्रेकिंग कर सकते हैं।

स्वामित्व, प्रकाशक एवं संपादक : अवंतिका राठौड़ - पी.के. प्रिंटर्स एंड स्टेशनर्स, 31, राम मंदिर के पास, पटेल नगर, 22 गोदाम, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। कार्यालय : जे-17, रमेश मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर। संपर्क : 0141 463 7668
ई-मेल : sancharjagat@gmail.com| आरएनआई नं. : RAJHIN/2014/55262 समाचार चयन के लिए पीआरबी अधिनियम के तहत जिम्मेदार। न्यायाधिकार क्षेत्र : जयपुर महानगर।